सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 210 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 14 मई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी का निधन, पीएम मोदी, शाह, सीएम साय सहित दिग्गजों ने जताया शोक

नईदिल्ली। पूर्व उपमुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मोदी का सोमवार की रात दिल्ली में निधन हो गया। पिछले महीने की तीन तारीख को उन्होंने कैंसर होने की जानकारी देते हुए सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की थी। 72 साल के सुशील मोदी गले के कैंसर से पीड़ित थे। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उनका इलाज चल रहा था। पिछले चार दिनों से वह एम्स में भर्ती थे। उनके निधन की खबर से बिहार ही नहीं देश की राजनीति में शोक की लहर है। भाजपा ने बिहार में आज होने वाले अपने सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम नीतीश कुमार, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव समेत देश के सभी वरीय नेताओं ने सुशील मोदी के निधन पर शोक जताया।

सीएम साय ने जताई संवेदना

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है। मृतात्मा के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा कि 'बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य सुशील कुमार मोदी के देवलोकगमन की दु:खद सूचना प्राप्त हुई। प्रभु श्रीराम से पुण्यात्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

गरज-चमक के साथ होगी बारिश

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का बदला हुआ मिजाज आने वाले कुछ दिन और बरकरार रहेगा। आगामी 12 घंटों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट तथा उसके बाद 2-4 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। प्रदेश में आगामी 5 दिनों तक गरज चमक के साथ अंधड़, बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। बीते 24 घंटे में हुई बारिश के असर से प्रदेश के अधिकांश इलाकों का पारा 2 से 3 डिग्री गिर गया है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री डोंगरगढ़ में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री नारायणपुर में दर्ज किया गया। लगातार हो रहे मौसम में बदलाव के कारण प्रदेशभर में मई में सूर्य की तपिश से कुछ हद तक राहत मिली है। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा के मुताबिक मंगलवार औरबुधवार को भी प्रदेश के कुछ स्थानों पर वर्षा होने के आसार हैं। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात होने और अंधड़ चलने की संभावना है।

अनियंत्रित हाइवा राइस मिल में घुसी, ड्रायवर की मौत

धमतरी। गिट्टी से भरी हाइवा अनियंत्रित होकर राइसमिल में जा घुसी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, वहीं एक अन्य घायल हो गया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हादसा मंगलवार को सुबह अर्जुनी थाना इलाके के देमार में हुआ। बताया गया है कि गिट्टी से लदी हाइवा अनियंत्रित होकर राइस मिल की दीवार तोड़ेते हुए अंदर जा घुसी और दीवार से टकरा गई। इससे हाइवा का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ड्रायवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्लीनर घायल है। पुलिस के मुताबिक हाइवा को क्लीनर चला रहा था, जबकि ड्रायवर उसके बगल में बैठा था। माना जा रहा है कि क्लीनर संभवत: हाइवा चलाना सीख रहा था, लेकिन इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर राइस मिल में जा घुसा।

गंगा पूजन के बाद काल भैरव के दर्शन कर पीएम मोदी ने दाखिल किया नामांकन

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह वाराणसी से नामांकन दाखिल किया। पीएम सुबह 9.30 बजे दशाश्वमेध घाट पहुंचे, जहां उन्होंने 20 मिनट गंगा पूजन किया। इसके बाद आरती कर क्रूज से नमो घाट पहुंचे। पीएम ने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले कालभैरव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंच नामंकन दाखिल किया। यहां से पीएम रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर पहुंचे और प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित किया।

पीएम के नामांकन में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के साथ ही दक्षिण के सुपरस्टार पवन कल्याण भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामांकन दाखिल करने से पहले मंगलवार सुबह सोशल मीडिया हेंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए काशी को संदेश दिया है। उन्होंने लिखा 'काशी से मेरा अद्भुत रिश्ता है, अभिन्न है और अप्रतिम है। बस यही कह सकता हूं कि इसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता!'

गौरतलब है कि पीएम मोदी 2014 से लगातार तीसरी बार वाराणसी से चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी के नामांकन के वक्त सीएम योगी उनके पीछे बैठे नजर आए। पीएम मोदी के नामांकन में एनडीए के 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और तमाम बड़े बीजेपी नेता शामिल हुए। पीएम मोदी 2014 में पहली बार यहां से सांसद निर्वाचित हुए थे। इसके बाद 2019 में भी उन्होंने इस सीट पर जीत हासिल की। आज नामांकन दाखिल करने से पहले पीएम मोदी ने दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की पूजा की। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी काल भैरव मंदिर पहुंचे। पीएम मोदी के नामांकन में गृह मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत 20 केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। इसके अलावा 12 राज्यों के सीएम भी शामिल हुए।

...जिसे हाथ जोड़कर मोदी ने किया प्रणाम

पीएम मोदी के नामांकन के लिए चार प्रस्तावक - पंडित गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर रहे। पीएम मोदी जब नामांकन करने पहुंचे तब उन्होंने जिलाधिकारी एस. राजलिंगम को दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि एस. राजलिंगम वाराणसी जिले के जिलाधिकारी हैं। एस राजलिंगम तमिलनाडु के रहने वाले हैं और 2009 बैच के आईएएस अफसर हैं। इन्होंने बीटेक किया हुआ है। एस राजलिंगम इससे पहले उत्तर प्रदेश के बांदा में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, औरेया में डीएम और लखनऊ में विशेष सचिव दुग्ध विकास विभाग में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। सोनभद्र और कुशीनगर में भी डीएम रह चुके हैं। इसके अलावा राजलिंगम सुल्तानपुर में कलेक्टर, अयोध्या के नगर आयुक्त, बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव, शहरी विकास विभाग के विशेष सचिव के तौर पर भी अपनी सेवाएं चुके हैं।

2 ओबीसी, 1 दलित, 1 बाह्मण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामांकन दाखिल किया तो उनके चार प्रस्तावक भी तैयार थे। जिसमें पंडित गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर शामिल हैं। इनमें पंडित गणेश्वर शास्त्री ने ही अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त निकाला था, ये ब्राह्मण समाज से हैं। वहीं, बैजनाथ पटेल ओबीसी समाज से आते हैं और संघ के पुराने और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। लालचंद कुशवाहा भी ओबीसी समुदाय से हैं। जबकि संजय सोनकर दलित समाज से हैं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, प्रस्तावक वे स्थानीय लोग होते हैं, जो किसी उम्मीदवार को चुनाव लड़ने के लिए अपनी ओर से प्रस्तावित करते हैं। आमतौर पर नामांकन के लिए किसी महत्वपूर्ण दल के वीआईपी कैंडिडेट के लिए पांच और आम उम्मीदवार के लिए 10 प्रस्तावकों की जरूरत होती है। कई बार प्रस्तावकों के कारण चुनाव का रुख ही बदल जाता है। जैसा इस बार सूरत लोकसभा सीट पर देखने को मिला। नियमों के अनुसार, अगर कोई उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा है, तो निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदाता को उसकी उम्मीदवारी का प्रस्ताव देना आवश्यक होता है।

कांग्रेस नेता की हत्या, गोली मारकर फरार हुए बाइक सवार बदमाश

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सक्रिय कांग्रेस नेता व परिवहन संघ के सदस्य विक्रम बैस की हत्या कर दी गई है। जिले के बरुखपारा में सोमवार की रात को दो अज्ञात लोगों ने परिवहन संघ के सदस्य और कांग्रेस नेता विक्रम की गोली मारकर हत्या कर दी। बाइक पर आए दोनों बदमाश गोली कांग्रेस नेता को गोली मारने के बाद फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच की शुरु कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसारनारायणपुर बखरुपारा में अज्ञात दो लोग बाइक पर पहुंचे और विक्रम की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्हें बीच मौहल्ले में विक्रम को गोली मार दी गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंच पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। विक्रम ब्लाक कांग्रेस के उपाध्यक्ष और नारायणपुर परिवहन संघ के सचिव पद पर थे। इस घटना के बाद जहां विक्रम की मौत हो गई। वहीं घर में मातम छा गया।

गोलियों की आवाज सुन आसपास के लोग पहुंचे

गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल गए। लोगों ने देखा विक्रम बैस खून से लथपथ जमीन पर पड़े हैं। इसके बाद लोग उसे जिला अस्पताल लाया गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना को लेकर नारायणपुर के स्क प्रभात कुमार ने नक्सली घटना होने से इनकार किया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में पाया गया है कि गोली पिस्टल से चलाई गई है। किसी से कोई पुरानी रंजिश का मामला हो सकता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

दो बच्चों की मौत पर सीएम साय ने जताया शोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल क्षेत्र बीजापुर में नक्सलियों द्वारा लगाए गर आईईडी बम की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चों की मौत के बाद से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। छत्तीसगढ़ के सीएम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बच्चों के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। सीएम साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बीजापुर जिले के बड़े बोड़गा गांव के एक खेत में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईआईडी की चपेट में आने से गांव के दो मासूम बच्चों के देहावसान की दु:खद सूचना प्राप्त हो रही है। ईश्वर से उन अबोध बच्चों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं।

यात्रा और दैनिक भत्तों में संशोधन

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात मिली है। दरअसल, कर्मचारियों के यात्रा भत्ता और दैनिक भत्तों की दरों में संशोधन किया गया है। इस संबंध में वित्त विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। यहा आदेश मंत्रालय महानदी भवन के वित्त विभाग से जारी किया गया है।

वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, अब लोक वाहन या सड़क यात्रा में श्रेणी ए, बी और सी के सरकारी कर्मचारी को वातानुकूलित बस से यात्रा की पात्रता होगी। जबकि तो वहीं श्रेणी डी के सरकारी कर्मचारियों को गैर वातानुकूलित डीलक्स बस और वीडियो कोच से यात्रा की पात्रता होगी। इसके साथ ही हवाई यात्रा के लिए एच.ए.जी वेतनमान प्राप्त करने वाले अधिकारी देश के अंदर एक्सीक्यूटिव क्लास से यात्रा के पात्र होंगे। वेतन लेवल-14 (ग्रेड पे 7600) या इससे अधिक वेतन प्राप्त करने वाले अधिकारी देश के अंदर इकोनॉमी क्लास से यात्रा के पात्र होंगे। बता दें कि ए और बी श्रेणी के कर्मचारी अगर खुद की कार से सफर करते हैं, तो प्रति किलोमीटर की दर से 12 रुपए मिलेंगे।

वहीं, इसमें एसी टैक्सी भी शामिल है, जिसके लिए 14 रुपए प्रति किलोमीटर मिलेंगे। हालांकि टैक्सी की पात्रता तब होगी जब वास्तव में टैक्सी से यात्रा की गई हो और इसकी रसीद हो। वहीं श्रेणी सी के लिए खुद की कार से 12 रुपए प्रति किलोमीटर की पात्रता होगी।

अपोलो के 4 डॉक्टरों को हाईकोर्ट से राहत

न्यायिक प्रक्रिया रोकी, कहा- ऐसे में डॉक्टर इलाज करना छोड़ देंगे!

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

बिलासपुर। गोल्डी छाबड़ा डेथ केस में बिलासपुर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने अपोलो हॉस्पिटल के चार डॉक्टरों के खिलाफ जारी न्यायिक प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। केस की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, जस्टिस रजनी दुबे की अवकाशकालीन बेंच ने की। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पुलिस समेत अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। इन डॉक्टरों के खिलाफ पुलिस ने इलाज में लापरवाही के आरोप में धारा 304-ए के तहत मामला दर्ज किया था। जिसका चालान हाईकोर्ट में पेश किया गया। इस केस में आरोपी डॉक्टरों ने पुलिस की कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी। जिसकी सुनवाई करते हुए डिवीजन बेंच ने कहा कि ऐसे में डॉक्टर इलाज करना छोड़ देगा।

दयालबंद के रहने वाले गोल्डी छाबड़ा को 25 दिसंबर 2016 को पेट में अचानक दर्द उठने पर परिजन अपोलो अस्पताल लेकर गए, जहां उन्हें भर्ती करा दिया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान 26 दिसंबर को गोल्डी की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में की। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया और बिसरा जांच के लिए भेज दिया गया। केस के पेंडिंग होने पर परिजनों ने हाईकोर्ट से न्याय की गुहार लगाई। हाईकोर्ट ने इस केस को लेकर आदेश दिया। कोर्ट के आदेश पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और मेडिको लीगल संस्थान ने डॉक्टरों के खिलाफ रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इधर हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गोल्डी छाबड़ा का इलाज करने वाले डॉ. देवेंदर सिंह, डॉ. राजीव लोचन, डॉ. सुनील केडिया और डॉ. मनोज राय के खिलाफधारा 304 ए के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में चालान प्रस्तुत किया। वहीं, सरकंडा पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देते हुए डॉक्टरों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। इसी मामले में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रजनी दुबे की अवकाशकालीन बेंच ने डॉक्टरों की याचिका पर सुनवाई की। बेंच को बताया गया कि चार्जशीट पेश की गई, लेकिन अभी आरोप तय नहीं हुआ है। डिवीजन बेंच ने कोर्ट के आगे की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया है।

12वीं सीबीएसई में नंबर कम आने पर छात्रा ने की खुदकुशी, परिवार में छाया मातम

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर शहर में 12 वीं की छात्रा ने रिजल्ट जारी होने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि छात्रा को उम्मीद से कम नंबर मिले जिससे वह व्यथित थी और अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा के इस कदम से परिवार में मातम का माहौल है। वहीं घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

बता दें सोमवार को सीबीएसई ने 12वीं के परिणाम घोषित किए थे। जगदलपुर के निर्मल स्कूल में पढ़ने वाली हर्षिता सोनी 12वीं कक्षा में कामर्स की छात्रा थी। सोमवार की सुबह जब रिजल्ट घोषित हुआ तो हर्षिता ने भी अपना रिजल्ट देखा। बताया जा रहा है कि हर्षिता को उम्मीद से तीन नंबर कम मिले जिससे वह काफी दुखी हो गई। परिजनों ने इसके लिए उसे समझाया भी लेकिन वह इस दुख से उभर नहीं पाई। इसके बाद उसने अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। मां ने जब बेटी को फांसी पर लटकते देखा तो वह बदहवास हो गई। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शव को उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से घर में मातम का माहौल है।

पहली बार सरकार भी सही और दुकानदार भी

श्रीकंचनपथ

ऐसा बहुत कम होता है कि एक मामले के दोनों पक्ष सच बोल रहे हों। पर कम से कम इस बार तो ऐसा ही हुआ है। सरकार ने कहा कि एपीएल कार्डधारक राशन दुकानों से चावल लेकर नहीं जाते, इसलिए उनका कोटा कम कर दिया गया। वहीं दुकानदार कहते हैं कि एपीएल कार्डधारकों का कोटा कम हो जाने के कारण कार्डधारकों को बीपीएल कोटे से चावल दिया जा रहा है। दोनों ही सही हैं। सरकार इसलिए सही है कि एपीएल कार्डधारक राशन दुकानों से चावल लेकर वाकई नहीं जाते। वहीं, दुकानदार इसलिए सही है कि एपीएल कार्डधारक अपने हिस्से का चावल मांगने के लिए दुकान तक आते जरूर हैं। यह और बात है कि वे कार्ड में एंट्री कराते हैं, अंगूठा भी लगवाते हैं पर चावल की बजाय पैसा लेकर जाते हैं। दरअसल, इस मामले का खुलासा किया खाद्य विभाग ने। जब उसने राशन दुकानों की समीक्षा की तो यह बात सामने आई कि चावल कोटे का ऑनलाइन स्टॉक माइनस में दिख रहा है। यानी जितना स्टॉक मिला नहीं उससे ज्यादा बांट दिया गया। रायपुर जिले की बात करें तो एक ही दिन में 22 राशन दुकानदारों को नोटिस जारी कर दिया गया। इसका जवाब एक सप्ताह में देने के निर्देश दिये गये हैं। दुकानदारों ने खाद्य विभाग के अफ़सरों को जो जवाब दिया है वह भी बढ़िया है। दुकानदारों ने कहा कि एपीएल कोटे के चावल में भारी कटौती की गई है। पहले प्रति दुकान 50 क्विंटल चावल एपीएल कोटे के लिए मिलता था, उसे अब 15 क्विंटल कर दिया गया है। इसलिए जब लोग चावल लेने आए तो उन्हें बीपीएल कोटे का चावल देना पड़ा। रायपुर जिले में 6 लाख से अधिक राशन कार्ड हैं। इन्हें 228 दुकानों से राशन दिया जाता है। राशन दुकानों से पांच अलग-अलग श्रेणियों को राशन की आपूर्ति की जाती है। इनमें अंत्योदय, निराश्रित, प्राथमिकता, निशक्तजन और एपीएल कार्ड धारक होते हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब सरकार सभी को सस्ता चावल दे रही है तो एपीएल कार्ड वालों का चावल खरीदने वाले कौन लोग हैं। वे कैसी इससे मुनाफ़ा कमाते होंगे। पहले ऐसा माना जाता था कि इस चावल का उपयोग इडली, दोसा और चावल के विविध व्यंजन बनाने वाले उद्योग करते हैं। अब इनमें बासमती चावल बेचने वाले बड़े ब्राण्ड भी शामिल हो गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में बासमती का खंडा खरीदने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। मॉल, मार्ट और सुपर स्टोर के ग्राहक अब 10 किलो के पैक्ड राइस बैग खरीदते हैं। इसमें अलग-अलग साइज का खंडा भी मिलता है। इन बस्तों के ऊपर लिखा होता है कि चावल में कितना प्रतिशत खंडा मिलाया गया है। यह चावल 48 से 55 रुपए किलो में मिल जाता है। एपीएल चावल का खंडा मिलाकर उसे बासमती के दाम पर बेचा जा रहा है। कागजों पर बिका चावल इसलिए दुकान से गायब हो जाता है।

संपादकीय

परीक्षा परिणाम

साल 2023 में 10वीं कक्षा का पास प्रतिशत 92.12 था, पर इस साल पास प्रतिशत 93.60 है। इस बार भी लड़कियों की सफलता का प्रतिशत अच्छा रहा है। जहां 92.71 प्रतिशत लड़कों को सफलता मिली है, वहीं सफल होने वाली लड़कियों का प्रतिशत 94.75 और सफल होने वाले ट्रांसजेंडर का प्रतिशत 91.30 है। ट्रांसजेंडर और लड़कियों के बीच पढ़ाई की लगातार बढ़ती जागरूकता सुखद है।

> अपने देश के सबसे बड़े शिक्षा बोर्ड सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। समग्रता में पिछले वर्षों की तुलना में इस बार परिणाम अपेक्षाकृत अच्छे हैं। 10वीं में 93.60 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता मिली है। कुल 22,38,827 विद्यार्थियों में 20,95,467 उत्तीर्ण हुए हैं। 12वीं के परिणाम भी बेहतर हैं, 87.98 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। 10वीं के परिणामों की बात करें, तो इस साल पास होने वाले विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हुआ है।

हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि 10वीं या 12वीं पास करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी पढ़ाई पर कोरोना और लॉकडाउन का भयानक काला साया देखा है। अब आने वाले वर्षों में हम ज्यादा बेहतर परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं।

इन परिणामों के आधार पर अगर स्कूलों की गुणवत्ता को देखें, तो एक बार फिर जवाहर नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने सबसे बेहतर 99.09 प्रतिशत प्रदर्शन किया है। निजी व स्वतंत्र स्कूलों के भी 94.54 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। सरकारी स्कूलों में सफलता का प्रतिशत 86.72 है। यह सवाल फिर एक बार प्रासंगिक हो गया है कि क्या सरकारी स्कूलों को केंद्रीय विद्यालय के स्तर का बनाया जा सकता है? सरकारी स्कूलों और विशेष रूप से सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों पर बहुत ध्यान देने की जरूरत है। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त इन स्कूलों के 13 प्रतिशत से 16 प्रतिशत बच्चों को अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, इसका मतलब है, इन स्कूलों में प्रत्येक दस में से एकाधिक बच्चों की पढ़ाई चुनौती है। ऐसे बच्चों के बीच अध्ययन होना चाहिए। केंद्रीय विद्यालय में अगर सौ में से शायद कोई एक विद्यार्थी ही विफल होता है, तो इनकी तारीफ करने के साथ ही, इनके बुनियादी ढांचे और पढ़ाई से सीखने की जरूरत है। ताजा परिणाम फिर इशारा हैं कि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ शैक्षणिक माहौल में भी सुधार की जरूरत है। सरकारी स्कूलों के साथ चलताऊ व्यवहार अब छोड़ देना चाहिए।

दक्षिण भारत के स्कूलों का प्रदर्शन उत्तर भारत के स्कूलों से बहुत बेहतर है। परीक्षा देने वाले ज्यादातर बच्चों के बीच खुशी का माहौल है और 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 2,12,384 है, जबकि 95 प्रतिशत से ज्यादा अंक पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 47,983 है। मतलब ढाई लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, पर जिन विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत कम अंक मिले हैं, ऐसा नहीं है कि उन्हें निराश हो जाना चाहिए। जिन्होंने अपेक्षाकृत कम अंकों के साथ 10वीं पास किया है, उनके पास 12वीं की परीक्षा ज्यादा बेहतर अंकों के साथ पास करने का मौका है। 10वीं और 12वीं में कम अंक लाने वाले विद्यार्थियों ने भी आगे जिंदगी में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। ये परीक्षा परिणाम तो महज एक पड़ाव हैं, इनसे सबक लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

केजरीवाल राहुल गांधी से तो बेहतर नेता हैं...

सुनील दास

राजनीति में सारे राजनीतिक दल यही करते हैं जब वह कोई अच्छा काम करते हैं तो चाहते हैं कि जनता व मीडिया का पूरा ध्यान उसके अच्छे कामों की तरफ रहना चाहिए। जब भी उनके बुरे काम सामने आते हैं, कोई भ्रष्टाचार का मामला सामने आता है तो उनकी कोशिश होती है कि जनता का ध्यान उसकी तरफन रहे क्योंकि जनता का ध्यान उसकी तरफ रहेगा तो वह उसके बुरे कामों के बारे में जानेगी, चर्चा करेगी। इससे चुनाव है तो चुनाव में राजनीतिक नुकसान होगा। ऐसे में सारे राजनीतिक विरोधी की बुरी बातों की ओर, विरोधी के किए गए भ्रष्टाचार की और जनता का ध्यान करने की कोशिश करते हैं।

जेल से छूटन के बाद केजरीवाल ने भी यही किया है। वह जानते थे कि यदि वह जनता व मीडिया का ध्यान किसी दूसरी तरफ नहीं करेंगे तो उनका पूरा ध्यान केजरीवाल व उसके नेताओं के किए भ्रष्टाचार की ओर जाएगा। यही चर्चा होगी कि केजरीवाल जेल में क्यों गए थे, जेल से अंतरिम जमानत किस मामले में मिली है। कुल मिलाकर जनता व मीडिया का ध्यान दिल्ली के शराब घोटाले की ओर जाता, उसी की चर्चा होती।जनता व मीडिया का ध्यान दिल्ली के शराब घोटाले की ओर न जाए, जनता व मीडिया में दिल्ली के शराब घोटाले की चर्चा न हो इसके लिए जरूरी था कि केजरीवाल ऐसा कुछ कहें जो जनता व मीडिया के बीच खूब चर्चा का विषय रहे। यही वजह है कि जेल से छूटने के बाद केजरीवाल ने पीएम मोदी व भाजपा के बारे बातें की। आने वाले समय में पीएम मोदी क्या करनेवाले हैं, भाजपा में क्या होने वाला है। यह तो सब जानते हैं कि पीएम मोदी क्या करने वाले है यह तो कोई जान नहीं पाता है। इस आधार पर तो केजरीवाल को भी पता नहीं हो सकता कि पीएम मोदी आनेवाले दिनों में क्या करने वाले हैं, लेकिन वह झूठ तो बोल ही सकते हैं। ऐसा झूठ जिसकी चर्चा पहले भी मीडिया में होती रही है। जैसे पीएम मोदी 75 के बाद रिटायर हो जाएंगे, उनके बाद पीएम कौन बनेगा, अमित शाह या योगी आदित्यनाथ।

इसी बात को आधार बनाकर केजरीवाल ने कहा कि अगले दो महीने में पीएम मोदी योगी को हटा देंगे। शाह का पीएम बनाएंगे। जब पीएम मोदी पीएम नहीं रहने वाले हैं तो उनकी गारंटी को कौन पूरा करेगा। केजरीवा ऐसा कहकर जनता को यह संदेश देना चाहते हैं कि मोदी की गारंटी का कोई मतलब नही हैं, उस पर जनता को यकीन नहीं करना चाहिए। जनता को मोदी व भाजपा को वोट नहीं देना चाहिए। केजरीवाल के बयान के बाद जनता व मीडिया में मोदी,योगी व शाह की चर्चा रही। भाजपा इस बात का कोई जवाब नहीं देती तो कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा नेताओं ने केजरीवाल के सवालों को जवाब दिया तो केजरीवाल और भी चर्चा में रहे। केजरीवाल के बहाने अमित शाह ने देश को बता दिया कि केजरीवाल सहित विपक्ष के नेता तो नरेद्र मोदी के रिटायरमेंट की बात करेंगे तो ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है।

सुनिल पीएम मोदी तीसरी बार भी पीएम बनेंगे तथा अगले लोकसभा चुनाव भी उनके नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। इसका परिणाम यह हुआ कि अपने बयान के चर्चा में रहे केजरीवाल अमित शाह के बयाने के बाद भी चर्चा में रहे। पूरे दिन मीडिया में व जनता में केजरीवाल की चर्चा रही। राहुल गांधी आउट आफ फोकस रहे। केजरीवाल जब तक जेल में थे, राहुल गांधी की विपक्ष के नेता के तौरपर रोज चर्चा में रहते थे। केजरीवाल के बाहर आने के बाद राहुल गांधी को नुकसान यह हुआ है कि वह चर्चा में ही नहीं रहे। यह भी कह सकते हैं कि आप ने चाहा कि राहुल गांधी की आज कोई चर्चा न हो, इसमें केजरीवाल का एक तरह से सहयोग भाजपा ने भी किया। आने वाले दिनों में हो सकता है कि केजरीवाल खुद को राष्ट्रीय नेता के रूप में पेश करें। विपक्ष के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में पेश करें। वह खुद को मोदी के विकल्प के रूप मे पेश करें। हो सकता है कि भाजाप भी इसमें आप का सहयोग करे ताकि राहुल गांधी विपक्ष के सर्वमान्य नेता न मानें जाए। केजरीवाल भी राहुल गांधी के सामने एक बड़े व सर्वमान्य नेता माने जाए। अगर केजरीवाल अमित शाह व योगी को आमने सामने लाकर भाजपा में भविष्य की फूट दिखाना चाहते है तो भाजपा तो यह केजरीवाल को राहुल गांधी के सामने बड़े नेता के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर सकती है। केजरीवाल ने कल साबित किया कि वह राहुल गांधी से बेहतर नेता हैं, लेकिन अमित शाह ने साबित किया कि केजरीवाल राहुल गांधी से तो अच्छे नेता हो सकते हैं लेकिन जब तक शराब घोटाले का आरोप है, वह पीएम मोदी से बेहतर नेता नहीं हो सकते।

नजरिया

> इस बार गर्मी जल्दी आयी, साथ में प्यास भी गहरायी। 'हर घर जल योजना' भी जल संकट दूर नहीं कर पा रही है। धरती का सीना चीर गहराई से पानी उलीचने से हर एक का कंठ तर होने से रहा। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 प्रतिशत भाग को पानी की किल्लत के लिए गरमी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता है- बारहों महीने, तीसों दिन यहां जेठ ही रहता है।

पारंपरिक जल स्रोतों को ठीक से सहेजना होगा

पंकज चतुर्वेदी

समझना होगा कि एक अरब, चौवालीस करोड़ की विशाल जनसंख्या को पानी देना महज सरकार के जिम्मे नहीं छोड़ा जा सकता। गर्मी और सूखती जल निधियों के प्रति यदि समाज आज सक्रिय हो जाए, तो अगली गर्मी में उन्हें यह संकट नहीं झेलना होगा। एक बात समझ लें, प्रकृति से जुड़ी जितनी भी समस्या है उनका निदान न वर्तमान के पास है न भविष्य के। इसके लिए हमें अतीत की ही शरण में जाना होगा। थोड़ी गाद हटानी होगी- कुछ सूख चुकीं हमारे पुरखों द्वारा बनायी जल निधियों से और कुछ अपनी समझ से।

यदि कुछ दशक पहले पलट कर देखें, तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे क्षेत्र अपने स्थानीय स्रोतों की सहायता से ही खेत और गले दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते तब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल स्त्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है- तालाब, कुएं, बावड़ी।

परंतु एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गये और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गयी है। तभी बीते तीन दशक में केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं के तहत तालाबों से गाद निकालने, उन्हें सहेजने के नाम पर अफरात पैसा खर्च किया गया। नतीजा रहा 'ढाक के तीन पात.' भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक, सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपने देश-काल-परिस्थिति के अनुसार बनायी गयी जल संरचनाओं और जल प्रणालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर एक जगह है। यहां तक कि ऋग्वेद में सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो (ईसा से 3000 से 1500 वर्ष पूर्व) में जलापूर्ति और मल निकासी की बेहतरीन प्रणालियों के अवशेष मिले हैं।

ईसा से 321-297 वर्ष पहले, कौटिल्य का अर्थशास्त्र बानगी है, जो बताता है कि तालाबों को राज्य की भूमि पर बनाया जाता था। समाज ही तालाब गढ़ने का सामान जुटाता था। जो लोग इस काम में असहयोग करते या तालाब की पाल को नुकसान पहुंचाते, उन्हें राजदंड मिलता। आधुनिक तंत्र की कोई भी जल संरचना 50 से 60 वर्ष में दम तोड़ रही हैं, जबकि चंदेल काल, अर्थात 1200 वर्ष से अधिक पुराने तालाब आज भी लोगों को जीवन का भरोसा दिये हुए हैं। जाहिर है कि हमारे पूर्वजों की समझ सूझबूझ भरी एवं वैज्ञानिक थी। उन दिनों उन्नत जल विज्ञान और कुशल जलविज्ञानी का पूरा समाज था, जो मिट्टी और जलवायु की बेहतर समझ रखता था।

अंग्रेज शासक चकित थे, यहां के तालाबों की उत्तम व्यवस्था देखकर। उन दिनों कुंओं के अतिरिक्त केवल तालाब ही पेयजल और सिंचाई के साधन हुआ करते थे। फिर आधुनिकता की आंधी में सरकार और समाज दोनों ने तालाबों को लगभग बिसरा दिया, जब आंख खुली तब तक बहुत देर हो चुकी थी। तालाबों की सफाई और गहरीकरण अधिक खर्चीला काम नहीं है, न ही इसके लिए भारी-भरकम मशीनों की जरूरत होती है। तालाबों में भरी गाद, वर्षों से सड़ रही पत्तियों और अन्य अपशिष्टों के कारण ही उपजी है, जो उम्दा दर्जे की खाद है। किसानों को यदि इस खाद रूपी कीचड़ की खुदाई का जिम्मा सौंपा जाए, तो वे सहर्ष राजी हो जाते हैं।

गांव या शहर के रुतबेदार लोग जमीन कब्जाने के लिए तालाबों को सुखाते हैं। गांवों में तालाब से खाली हुई उपजाऊ जमीन लालच का कारण होती है, तो शहरों में कॉलोनियां बनाने वाले भूमाफिया इसे सस्ता सौदा मानते हैं। समाज और सरकार पारंपरिक जल स्त्रोतों- कुंओं, बावड़ियों और तालाबों- में गाद होने की बात करता है, जबकि हकीकत में गाद तो उन्हीं के माथे पर है। सदानीरा रहने वाली बावड़ी-कुओं को बोरवेल और कचरे ने पाट दिया, तो तालाबों को कंक्रीट का जंगल निगल गया। एक तरफ प्यास से बेहाल होकर अपने घर-गांव छोड़ते लोगों की हकीकत है, तो दूसरी ओर पानी का अकूत भंडार।

यदि जल संकटग्रस्त क्षेत्रों के सभी तालाबों को मौजूदा हालात में भी बचा लिया जाए, तो वहां के हर इंच खेत को सिंचाई, हर कंठ को पानी और हजारों हाथों को रोजगार मिल सकता है। एक बार मरम्मत होने के बाद तालाबों के रखरखाव का काम समाज को सौंपा जाए। दो वर्ष पहले केंद्र सरकार ने देश के सभी तालाबों का सर्वेक्षण करवा क्रांतिकारी काम किया है। जब तक सहेजे गये तालाबों का उपयोग समाज की हर दिन की जल जरूरत के लिए नहीं होगा, जब तक समाज को इन तालाबों का जिम्मा नहीं सौंपा जाता, तालाब की विरासत को स्थापित नहीं किया जा सकता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

पक्षियों की परवाज में बदलाव आपदा का संकेत तो नहीं

आनंद बनर्जी, वन्यजीव संरक्षणवादी

भारतीय वन सर्वेक्षण ने इसी 12 मई को बताया है कि बीते एक हफ्ते में जंगल में आग लगने की 342 बड़ी घटनाएं देश भर में दर्ज की गईं, जिनमें से 209 तो अकेले उत्तराखंड की थीं। ये आग अमूमन मानवीय लापरवाही या शरारती तत्वों के कारण लगीं। ऐसी आग तब बेकाबू हो जाती है, जब सूखी भूमि का सामान्य से अधिक तापमान वाली हवा के साथ संयोग होता है। उल्लेखनीय है, मार्च से जून तक का समय पक्षियों के लिए प्रजनन का चरम वक्त होता है। ऐसे में, जंगल की आग प्रजनन वाले पक्षियों पर अभूतपूर्व असर डालती हैं। छोटे-बड़े तमाम जीवों पर इनका खासा प्रभाव पड़ता है। स्थानीय पारिस्थितिक अर्थव्यवस्था पर इसके असर की कल्पना करना काफी कठिन है।

साफहै, गरम होती दुनिया पक्षियों का जीवन भी बदल रही है। विशेषकर, भोजन और आश्रय के लिए सर्द उत्तरी अक्षांश से उष्णकटिबंधीय, यानी गरम क्षेत्रों में आने वाले प्रवासी पक्षियों को ज्यादा नुकसान हो रहा है। चूंकि जीन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतिरत होती है, इसलिए साल भर भोजन उपलब्ध हो, तो पक्षियों की कुछ प्रजातियां कठिन यात्राएं शायद ही करेंगी। बेशक, पक्षियों का प्रवासन इतनी जल्दी खत्म नहीं होगा, लेकिन ऐसी रिपोर्टें हैं, जो बताती हैं कि अपने प्रजनन-काल में पक्षी अमूमन जहां जाया करते थे, अब उनमें से कई नहीं जाते। अगर आप दिल्ली के ओखला पक्षी अभयारण्य घूमने जाते रहे हों, तो आपने देखा होगा कि आर्कटिक क्षेत्र से आने वाले कई पक्षी अब तक यहां नहीं आए हैं। इस साल तो कीटों पर भी ध्यान दिया गया, जिनकी आबादी मूलत: कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग और प्रकाश प्रदूषण के कारण घट रही है।

जाहिर है, प्रवासी पक्षियों और उनके भोजन-स्रोतों का आपसी समय मेल नहीं खा रहा। इससे पक्षियों की आबादी में संकुचन या विस्तार हो सकता है। आलम यह है कि तमाम प्रकार की चीजों को खाने वाली और हर वातावरण में अनुकूलन करने वाली प्रजातियां बढ़ रही हैं और खास आबोहवा में रहने वाली व खास आहार वाली प्रजातियां कम हो रही हैं। इसका एक बड़ा उदाहरण बैंक मैना है, जो अब टोल प्लाजा व रेलवे स्टेशनों पर ज्यादा दिखती है, क्योंकि इसका प्राकृतिक आवास बाढ़ और विकास की भेंट चढ़ गया है। दरअसल, पक्षियों को ट्रैक करने के उपकरणों ने पक्षी विज्ञानियों को दुनिया भर में पक्षियों के प्रवासन को जानने का मौका दिया है कि किस तरह पक्षी मौसम के अनुसार उत्तर से दक्षिण जाते हैं? आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय उप-महाद्वीप सर्दियों में 600 से अधिक प्रवासी पक्षियों का घर बनता है, लेकिन इनमें से 240 प्रजातियों की आमद घटती जा रही है। हालांकि, विदेशी पक्षी बार-हेडेड हंस के मामले में लाभ की स्थिति है। बेशक, भारत की आबोहवा विदेशी पक्षियों के लिए विविध परिस्थितियां उपलब्ध कराती हैं, लेकिन इन पर विकास योजनाओं की गाज गिर रही है। चरम मौसमी घटनाओं ने ही नहीं, बढ़ते तापमान ने भी पक्षियों के आवास को खत्म किया है। ऐसे में, बैंक मैना या बार-हेडेड हंस की तरह अन्य प्रजातियां भी नए माहौल में अनुकूलन कर पाती हैं या नहीं, यह देखने वाली बात होगी!

'स्टेट ऑफ इंडियन बर्ड्स (2023) रिपोर्ट' कहती है कि पिछले आठ वर्षों में कम से कम 217 प्रजातियां या तो स्थिर हुई हैं या उनमें वृद्धि हुई है और 204 प्रजातियों में गिरावट देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, खुले पारिस्थतिकी तंत्र, नदियों और तटों पर रहने वाले पक्षियों की प्रजातियां सर्वाधिक घटी हैं, लेकिन जैसे-जैसे प्रवासन का पैटर्न बदल रहा है, हमें जनसंख्या अनुमान मॉडल का या तो विस्तार करना चाहिए या इसे नया गढ़ना चाहिए।

साल 2024 के चरम मौसम को एक वैश्विक खतरा मानना होगा। हिंद महासागर भी स्थायी गरम लहरों में तब्दील हो रहा है। पूर्वी और प्रायद्वीपीय भारत में अप्रैल में काफी ज्यादा तापमान जलवायु संकट की गंभीरता ही बताता है। मगर क्या सिर्फ हमारे अस्तित्व के लिए ही जलवायु परिवर्तन पर बात होनी चाहिए? नहीं, हम उन तमाम जीव-जंतुओं से भी जुड़े हुए हैं, जो अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हमें उनके प्रति उतना ही संजीदा होना चाहिए, जितना हम अपने लिए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अंतिम मुहर परिणाम ही होगा

अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आते ही ताल ठोकने लगे हैं। वे भाजपा नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावनाओं पर संशय पैदा कर रहे हैं। उनकी तर्ज पर गारंटीमय हो रहे हैं। रविवार को उन्होंने लोक-लुभावनी 10 गारंटी दीं, वे भाजपा के लिए-खुद उनके लिए भी-तलवार की तेज धार होने वाली हैं। इनमें अन्यों की तरह ही कुछ अतिवाद हैं। जैसे चीन से जमीन लेना, दो करोड़ रोजगार देना और हर घर को बिजली एवं गरीबों को मुफ्त बिजली देने की घोषणा। पर यह कांग्रेस के घोषणापत्र के साथ मिलकर भाजपा का घेराव बनाती है।

चुनाव प्रचार के जिस एकल ध्येय से सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी, उसमें वे धार दे रहे हैं। मोदी को उन्हीं की बोली-बानी और कार्यशैली में जवाब दे रहे हैं। तो क्या इसीलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया था ताकि वे गुजरात में विकल्प का अर्थ न बन सकें? वस्तुत: ऐसा है नहीं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी गिरफ्तारी को वैध माना है। आबकारी मामले के मेरिट पर भी प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की है। उनको दो जून को समर्पण का आदेश दिया है।

जब यह सब है ही तो फिर अंतरिम जमानत क्यों? कोर्ट का कहना है कि वे आदतन अपराधी नहीं, चुने सीएम हैं, चुनाव पांच साल में आता है। प्रचार करने देने में कोई हर्ज नहीं है। फिर झारखंड के मुख्यमंत्री रहे हेमंत सोरेन पर इसी नजरिए से विचार क्यों नहीं हुआ जबकि चुनाव उनकी भी पार्टी लड़ रही है? न्यायालय का यह 'सेलेक्टिव एप्रोच' आम जनमानस को पच नहीं रहा है। इसलिए भी कि ईडी की इस ठोस दलील की उपेक्षा की गई है कि तब हरेक विचाराधीन राजनीतिक कैदी को चुनाव प्रचार के लिए जेल से बाहर करना होगा। इससे जमानत का नया आधार बनेगा। इससे समानता के सिद्धांत का विभाजन होगा। केजरीवाल की अंतरिम रिहाई इसलिए अटपटी लग रही है। अब इसका राजनीतिक-न्यायिक संदेश जो भी हो, पर दिल्ली के मुख्यमंत्री बाहर हैं। वे इंडिया गठबंधन के मजबूत और विजयी होने की अवधारणा बनाने में राहुल गांधी की आक्रामकता से मिलकर अपना योगदान दे रहे हैं। तीन चरणों के चुनावों में मतों की गिरावट में भाजपा की अंदरूनी लड़ाई और मोदी के भाषणों में उठाए मुद्दों के आधार पर जो परिदृश्य बन रहा है, वह सत्ता-प्रतिष्ठानों के तमाम अंगों पर पड़ने वाले दबावों को जाहिर करता है। जनता के संदर्भ में एक नए आकलन पर विचार शुरू होने का संकेत देता है। विपक्ष के लिए यह सांत्वना है। पक्ष-विपक्ष के आशावाद पर अंतिम मुहर परिणाम ही होगा।

डिजिटल लेन-देन पर न लगे दाग

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

तेरी गठरी में लागा चोर मुसाफिर जाग जरा... कबीर दास ने जब यह कहा, तो इसका अर्थ बहुत गूढ़ था। मगर सामान्य भाषा में इसका अर्थ आसान है- सावधान न रहेंगे, तो कोई आपकी गठरी या जेब साफ कर सकता है। आज चूंकि आप अमूमन अपना माल-मत्ता मोबाइल फोन में ही लेकर चलते हैं, इसलिए चोरों के लिए भी आसान हो गया है कि बिना हाथ लगाए, यानी कैशलेस अंदाज में ही वे इसे साफ कर डालें। 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी' वाली कहावत अब सड़क पर ही नहीं, डिजिटल दुनिया में भी चरितार्थ हो रही है। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि डिजिटल लेन-देन खतरनाक है या इससे किनारा कर लेना चाहिए। मगर इतना साफ है कि लेन-देन जितना आसान होता जा रहा है, अपने पैसे और उससे जुड़ी जानकारी की हिफाजत उतनी ही जरूरी और मुश्किल होती जा रही है।

समझने में आसानी होगी यह जानकर कि डिजिटल लेन-देन की दुनिया में जालसाजी का आलम क्या है? ट्रांसयूनियन एक इंफॉर्मेशन और इनसाइट कंपनी है। वह दुनिया भर में डिजिटल और बैंकिंग या क्रेडिट कार्ड के जरिये होने वाले लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी आंकड़े जुटाती है। दुनिया भर में लेन-देन के कारोबार में जालसाजी पर उसकी ताजा रिपोर्ट बताती है कि साल 2023 में जितना डिजिटल लेन-देन हुआ, उनमें से करीब पांच प्रतिशत पर जालसाजी का शक है। लेन-देन के संदिग्ध मामलों की गिनती इस साल पिछले वर्ष के मुकाबले 14 फीसदी बढ़ी है। जालसाजी की रफ्तार कितनी तेज है, इसका नमूना यह है कि 2019 से 2023 के बीच जहां कुल डिजिटल लेन-देन का काम 90 फीसदी बढ़ा, वहीं जालसाजी वाले या इसकी आशंका वाले लेन-देन में 105 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आपके क्रेडिट कार्ड का ब्योरा चुराकर या उसकी कॉपी बनाकर ठगी करने के किस्से अब भी बंद नहीं हुए हैं। इसी तरह, किसी न किसी बहाने से फोन पर आपका ब्योरा चुराने की कोशिशें भी लगातार जारी हैं। हाल तो यह है कि अगर अपने शहर से बाहर अचानक आपका फोन खो जाए और आप किसी दूसरे नंबर से अपने दोस्तों-परिचितों से मदद मांगने की कोशिश करें, तो ज्यादातर मामलों में उन्हें पहले शक होता है कि कोई जालसाज खेल तो नहीं कर रहा? आपके फेसबुक अकाउंट या वाट्सएप को हैक करके या उसका क्लोन बनाकर आपके नाम पर लोगों से पैसे मांगने वाली ठगी का कारोबार भी जोरों पर है।

भारत डिजिटल लेन-देन के मामले में दुनिया में अगली कतार में खड़े देशों में शामिल है। यूपीआई से लेन-देन की शुरुआत 2016 में हो गई थी, लेकिन खासकर नोटबंदी और कोरोना के बाद इसमें जबर्दस्त तेजी आई है। 2023 में भारत में यूपीआई के जरिये होने वाले लेन-देन की गिनती 117.6 अरब थी। यहां कुल मिलाकर 182 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ। इसी साल जनवरी से दिसंबर के बीच यूपीआई के इस्तेमाल में 49 प्रतिशत का उछाल देखा गया और तेजी का यह सिलसिला थमा नहीं है। अनुमान है कि जल्द ही हर महीने 20 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन इस रास्ते होने लगेगा। इसमें क्रेडिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग या दूसरे चैनलों से होने वाला ऑनलाइन लेन-देन शामिल नहीं है। ऐसे में, डिजिटल चोरी या जालसाजी की आशंका भी बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में डिजिटल फ्रॉड के 6,659 मामले सामने आए, जिनमें 276 करोड़ रुपये की ठगी हुई। जबकि, उससे पिछले साल 3,596 मामलों में 155 करोड़ रुपये की जालसाजी की खबर मिली थी। ध्यान रहे कि ये वही मामले हैं, जिनकी शिकायत रिजर्व बैंक तक पहुंची है। बहुत से लोग रकम गंवाने के बाद भी उसकी शिकायत करने की जहमत नहीं उठाते हैं। कई मामलों में तो लोगों को ठगी की जानकारी भी नहीं हो पाती।

मगर जब ऐसी जालसाजी किसी कंपनी के साथ होती है, तो उसे वह ठगी की रकम से कहीं ज्यादा महंगी पड़ती है। डिजिटल जालसाजी रोकने के कारोबार की दिग्गज कंपनी लेक्सिसनेक्सिस रिस्क सॉल्यूशंस ने 'ट्रू कॉस्ट ऑफ फ्रॉड' नाम की रिपोर्ट निकाली है, जिसमें एशिया प्रशांत क्षेत्र की तमाम कंपनियों का सर्वे करके यह हिसाब जोड़ा गया है कि जालसाजी जितनी रकम की होती है, उसके मुकाबले कंपनियों को इससे कितने की चोट पड़ती है? इसके मुताबिक, अगर कहीं एक रुपये की जालसाजी होती है, तो उसके ऊपर होने वाला कुल खर्च करीब चार गुना हो जाता है। इसमें डूबी हुई रकम के अलावा उसकी भरपायी के लिए होने वाली मेहनत, कानूनी कार्रवाई, कंपनी की साख का नुकसान और इसके साथ जुड़े छोटे-बड़े खर्च शामिल होते हैं।

आज ठगी के एक से एक नायाब तरीके सामने आ रहे हैं। ई-मेल या वाट्सएप पर लिंक भेजकर फिशिंग। कोई इनाम जीतने का लालच देकर ठगना। आपका बिजली कनेक्शन कट जाएगा, आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार पुलिस थाने में है, आपका कोई पार्सल विदेश से आकर कस्टम में अटका है आदि धमकी देकर किसी तरह क्रेडिट कार्ड का ब्योरा हासिल करना। फोन पर बातों में उलझाकर ओटीपी हासिल करना- ये सब तो पहले से चल रहे थे, लेकिन अब ऑनलाइन गेम के नाम पर, शेयर बाजार में किसी बड़े एक्सपर्ट का चेहरा लगाकर उससे मुलाकात या उसकी सलाह के नाम पर, बड़े-बड़े व्यापारियों की तस्वीरों के साथ कोई खास कोर्स चलाने के नाम पर भी ठगी के नए जाल बिछाए जा रहे हैं। आगे और भी नए तरीके सामने आते जाएंगे।

आखिर इनसे बचें कैसे? यह चिंता सरकार को भी है, इसीलिए हाल में वित्त मंत्रालय ने देश की फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ इस मसले पर चर्चा की और ऐसी जालसाजी पर लगाम कसने की तैयारी शुरू कर दी है। बैंकों और लेन-देन के काम में लगी कंपनियों ने भी ऐसे इंतजाम किए हैं, ताकि आपकी इच्छा के बिना आपके खाते या कार्ड से पैसा निकालना संभव न हो। हालांकि, जब कहीं 'डाटा ब्रीच' की खबर आती है, तो सावधानी और बढ़ाने की जरूरत बढ़ जाती है। लिहाजा, सबसे जरूरी यही है कि अपने क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते से जुड़ी हरेक जानकारी बेहद गोपनीय रखी जाए और जरा भी शक होने पर उसकी रिपोर्ट बैंक या पुलिस को की जाए। वहीं, सरकार को भी बाकी सब चीजों के साथ इतना इंतजाम जरूर करना चाहिए कि पूरे बाजार में हर दुकान जिस अंधाधुंध अंदाज में ग्राहकों के मोबाइल फोन नंबर व अन्य जानकारी जमा करने में लगी है, उस पर कम से कम लगाम लगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

सार्वजनिक उपक्रमों को वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री ने लिखा पत्र

कोरबा। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा जिले के सभी सार्वजनिक उपक्रमों सहित निजी प्रतिष्ठान को एक पत्र लिख बाहरी और स्थानीय श्रमिकों की जानकारी 7 दिवस के भीतर तलब करने कहा है। एसईसीएल के कोरबा, गेवरा, दीपका मुख्य महाप्रबंधक, बालको, एनटीपीसी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक और मुख्य कार्यपालन अधिकारी को मंत्री श्री देवांगन ने पत्र लिखा है। मंत्री श्री देवांगन ने पत्र के माध्यम से कहा है की स्थानीय बेरोजगारों के माध्यम से आए दिन शिकायते आ रही है की स्थानीय बेरोजगारों की बजाय बाहरी लोगों की भर्ती की जा रही है। जबकि स्थानीय लोगों को 70 फीसदी 13.ात.14लेना है और बाहरी लोगों को 30 फीसदी लेना है। वर्तमान में सार्वजनिक उपक्रमों में नियोजित कई ठेका कंपनियों द्वारा स्थानीय बेरोजगारों की उपेक्षा की जा रही है। जो की अनुचित है। मंत्री श्री देवांगन ने सभी उपक्रमों से 7 दिवस के भीतर स्थानीय और बाहरी श्रमिको की जानकारी मांगी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य सरकार की मंशा भी स्थानीय लोगो को काम पर रखने की है। डाटा से स्थिति होगी स्पष्ट:-पिछले कई वर्षों से सार्वजनिक उपक्रमों में नियोजित निजी कम्पनियों में कितने श्रमिक काम कर रहे हैं, श्रमिक स्थानीय है या फिर बाहरी, इसकी जानकारी नहीं होने की वजह से स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने की दिशा में ठोस पहल नहीं हो पाती थी। निजी ठेका कंपनियों द्वारा मनमानी की जाती थी, अब श्रमिकों की वास्तविक जानकारी सामने आने के बाद बेहतर प्रयास संभव हो सकेगा, कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन स्थानीय बेरोजगारों के लिए लगातार सार्थक प्रयास कर रहे हैं।

संगठन को महत्व मिलने से कार्यकर्ताओं में बढ़ा उत्साह

कोरबा। लोकसभा चुनाव में इस बार संगठन को महत्व मिलने से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा काफी खुश नजर आए। कटघोरा विधानसभा क्षेत्र में उत्साहित कार्यकर्ता घरों तक पहुंचे और प्रचार का काम किया। पिछली बार हमेशा देखने में आता था कि लोकसभा प्रत्याशी अपने समर्थकों को प्रचार का काम सौंपते थे। जिसके चलते अनेको कार्यकर्ता प्रचार के कार्य से वंचित हो जाते थे। कटघोरा विधानसभा के विधायक प्रेमचंद्र पटेल को चुनाव प्रभार दिया गया था। इनके साथ दुर्ग से आए उन नेताओं को भी इनके साथ काम पर लगाया गया था। प्रेमचंद पटेल ने सभी मंडल के पदाधिकारियों की बैठक बुलाते हुए निर्देश दिया था कि सभी अध्यक्ष शक्ति केंन्द्रो तक जाएगें। शक्ति केन्द्रों प्रभारी सभी बूथो में जाकर काम देखेगें। बूथ के कार्यकर्ता प्रत्येक घरों में जाकर कार्य किया। हरदी बाजार मंडल के अध्यक्ष हरीश थरवानीय शक्ति केन्द्र का अलग से प्रभार मिला था इसी तरह नरेश टंडन भी अपने शक्ति केंन्द्र में काम कर रहे थे। किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष चुलेश्वर राठौर को समान वितरण के लिए विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया था। वें सभी मंडलों में जा कर समान देकर आते थे। इसके अलावा उन्हें भिलाई बाजार मंडल का प्रभार देते हुए काम किया गया था। श्री राठौर भिलाई बाजार में अध्यक्ष विनोद यादव महामंत्री विद्याविनोद महंत हेमंत तिवारी के साथ काम पर लगे रहे। इसके अलावा वें अपने शक्ति केन्द्रो में भी काम कर रहे थे। बांकी मोंगरा मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जगत, महामंत्री मनीष मिश्रा , हनुमान पाण्डेय, मुकुल कर्ष, लखन राठौर भी प्रभार वाले क्षेत्रों में काम करते रहे। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को 10 स्थानों पर चैपाल लगाने का काम दिया गया था।

ई बस की सुविधाः भिलाई-दुर्ग सहित 17 मार्गों पर दौड़ेंगी 100 बसें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी वासियों को जल्द ही 100 ई-बसों की सुविधा मिलने जा रही है। केंद्र से ई-बसों के लिए मिली अनुमति के बाद निगम ने संचालन के लिए रूट का चयन भी कर लिया है। जल्द ही नया रायपुर सहित भिलाई-दुर्ग तक नागरिकों को एसी वाली ई-बसों की सुविधा मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने बसों की खरीदी, संचालन आपरेटर व भुगतान से संबंधित टेंडर भी कर दिया गया। केंद्र से जैसे-जैसे निर्देश मिल रहे हैं उन पर तत्काल कार्य किया जा रहा है। इस दिशा में बसों को ठहराने के लिए डिपो का प्रस्ताव भी केंद्रीय दल के निरीक्षण के बाद तैयार कर केंद्र को भेज दिया गया है।

आमानाका और पंडरी में बनेगा बस डिपो

नगर निगम द्वारा आमानाका और पंडरी में बस डिपो बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। केंद्रीय दल के दौरे के बाद निगम अधिकारियों ने उनके पैरामीटर के अनुसार डिपो का प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजा है, जिसमें पंडरी बस स्टैंड में 40 तो आमानाका बस डिपो में 60 बसों का डिपो बनाने की अनुमति मांगी गई है।

अनुमति मिलते ही बस डिपो बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। बता दें कि दोनों डिपो में बसों के ठहरने से लेकर चार्जिंग भी व्यवस्था भी की जाएगी। वहीं, बसों के रूटों पर भी कुछ चार्जिंग पाइंट लगाए जाएंगे। जहां आवश्यकता अनुसार बसों को चार्ज किया जा सके।

संचालन की जिम्मेदारी निगम पर

ई-बसों के संचालन और देखरेख का जिम्मा रायपुर नगर निगम के हिस्से में रहेगे। सभी ई-बसों के सफल संचालन के लिए निगम अधिकारी जिम्मेदारी उठाएंगे। बाकी केंद्र द्वारा बसों की खरीदी से लेकर अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। जानकारी के अनुसार बसों के मेंटेनेंस से संबंधित प्लान भी केंद्र सरकार द्वारा तैयार किया जा रहा है, जिसमें हर बस के आधार पर निगम के पास फंड रहेगा। बस में किसी भी प्रकार की खराबी होने पर फंड उपयोग कर ठीक कराया जाएगा। जानकारी के अनुसार यह व्यवस्था आगामी पांच सालों तक के लिए रहेगी। वहीं, जिन रूटों में एक बार बस दौड़ेंगी।

इन मार्गों में दौड़ेंगी ई-बसें

1. रायपुर रेलवे स्टेशन से पंडरी बस स्टैंड, अवंती बाई चौक, मोवा जीरो पाइंट विधानसभा, डोंडे, खरोरा 2. रायपुर रेलवे स्टेशन से फाफाडीह से सिलयारी स्टेशन 3. रायपुर रेलवे स्टेशन से बूढ़ातालाब, भाठागांव, कुशाभाऊ ठाकरे विश्वविद्यालय, दतरेंगा, तारीघाट 4. रायपुर रेलवे स्टेशन से फाफाडीह, भनपुरी, उरला 5. रायपुर एयरपोर्ट से तेलीबांधा चौक, भिलाई, दुर्ग रेलवे स्टेशन 6. रायपुर रेलवे स्टेशन से तेलघानी नाका, हीरापुर, नंदनवन 7. रायपुर रेलवे स्टेशन से घड़ी चौक, मैग्नेटो माल, एमएम फन सिटी, भनसोज 8. रायपुर एम्स से आमानाका, जयस्तंभ चौक, तेलीबांधा, सेरीखेड़ी, आरंग9. रायपुर रेलवे स्टेशन से शास्त्री चौक, आमापारा, कुम्हारी, अहिवारा10. रायपुर रेलवे स्टेशन से घड़ी चौक, माना बस्ती, तहुनाद, चम्पारण 11. रायपुर रेलवे स्टेशन से घड़ी चौक, पचपेड़ी नाका, अभनपुर 12. रायपुर रेलवे स्टेशन से तेलीबांधा, मंदिरहसौद, कुरूद, चंदखुरी 13. रेलवे स्टेशन से जेल रोड़, घड़ी चौक, गौरवपथ, जोरा होते हुए नया रायपुर मंत्रालय 14. मंत्रालय डीकेएस भवन गेट नंबर-4 से जेल रोड, घड़ी चौक, गौरवपथ, राष्ट्रीय राजमार्ग-6, जीरो इंटरचेंज, नया रायपुर मंत्रालय 15. कबीर नगर से हीरापुर चौक, पचपेड़ी नाका, डुमर तराई से नया रायपुर मंत्रालय16. तेलीबांधा चौक से डीडी नगर, संतोषी नगर ।

वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर होगा मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन द्वारा अपने पहले वार्षिक सम्मेलन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। यह प्रथम वार्षिक सम्मेलन वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति विषय पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें मेजबान छत्तीसगढ़ सहित देशभर के विद्वान, शोधार्थी, प्राध्यापकगण शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

यह जानकारी छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन (सीजीएसए) की अध्यक्ष प्रो. प्रीति शर्मा और सचिव प्रो. एल.एस. गजपाल ने दी। उन्होंने बताया कि आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण पूरी दुनिया के देशों के विकास की प्रक्रिया में केंद्रीय मुद्दा है। आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से 28 और 29 जून 2024 को सीजीएसए अपना पहला वार्षिक सम्मेलन उक्त विषय पर आयोजित कर रहा है। इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य की जनजातियाँ, वैश्विक समाज में महिलाओं की बदलती स्थिति, आदिवासी महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आदिवासी महिलाओं पर वैश्वीकरण का प्रभाव, आदिवासी महिलाओं के मुद्दे और चुनौतियाँ, बहुसांस्कृतिकवाद और आदिवासी महिलाएँ, आदिवासी महिलाओं के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम जैसे विषयों पर भी शोध पत्र प्रस्तुत किये जाएंगे तथा विषय विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन की सफ्लता के लिए आयोजन समिति का भी गठन किया गया है।

जिसके संरक्षक प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल (कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय), संयोजक प्रो. प्रीति शर्मा (अध्यक्ष सीजीएसए), सह संयोजक प्रो. सुचित्रा शर्मा (उपाध्यक्ष सीजीएसए), आयोजन सचिव प्रो. एल.एस. गजपाल (सचिव सीजीएसए), सह आयोजन सचिव प्रो. सोनिता सत्संगी (कोषाध्यक्ष सीजीएसए), संयुक्त सचिव हर्ष पाण्डे, सुशील गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य प्रो. श्रद्धा गिरोलकर, डॉ. पुष्पा तिवारी, प्रो. आभा त्रिपाठी, प्रो. मनीषा महापात्र, प्रो. प्रीति मिश्रा, प्रो. तारा शर्मा, प्रो. मंजू झा, प्रो. साधना खरे, डॉ. अमरनाथ शर्मा, डॉ.. हेमलता बोरकर, डॉ.. नीता बाजपेयी शामिल हैं।

किसान देवनाथ नायक पारंपरिक खेती को छोड़कर कर रहा आधुनिक खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । जिले के बरमकेला विकासखंड के ग्राम पंचायत देवगांव के देवनाथ नायक किसान अपने 9 एकड़ जमीन में पिछले 9 सालों से पारंपरिक खेती छोड़ आधुनिक तरीके से धनिया की खेती कर रहे हैं। इससे वह अब तक 7 से 8 लाख की कमाई कर चुके हैं।

पहले वे पारंपरिक फसलों की खेती करते थे। इससे उन्हें इतनी अधिक कमाई नहीं हो रही थी। ऐसे में उन्होंने 9 साल पहले पारंपरिक फसलों की खेती छोड़ वैज्ञानिक विधि से धनिया की फार्मिंग शुरू कर दी। खास बात यह है कि धनिया की खेती शुरू करते ही देवनाथ नायक की किस्मत बदल गई। देवनाथ नायक किसान ने बताया कि धनिया की खेती 7से 8 वर्ष से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धनिया की खेती करने में बहुत रूचि है और जानकारी भी है। शुरुआत 9 एकड से किया था। उसमें 7 लाख कमाया अभी वर्तमान में दो एकड़ में धनिया की खेती किया जा रहा है, जिसमें रेट के हिसाब से आमदनी होता है, जिसे कभी 35 हजार तो 70 हजार ऐसी कमाई होता है। उन्होंने बताया कि दो विधि से खेती करते हैं। रेन पाइप एवं बैड विधि बैड विधी की खेती के तुलना में धनिया पत्ती के उत्पादन अधिक एवं वजन भी अधिक होता है। 1 एकड़ में लगभग 10 से 12 हजार की लागत लगता है साथ इसकी बिक्री के लिए व्यापारी खुद खेत में पहुंचकर धनिया को लेने आते है।

निर्माण कार्यो का करें नियमित निरीक्षण : सीईओ

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश पर आज सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत निर्माण कार्य किये जा रहे है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इन सभी कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। इसके साथ ही इन कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण करावें।

सीईओ श्रीवास्तव ने कहा कि गर्मी के मौसम के चलते जिन गांवों के भू-जल स्तर में गिरावट आ रही है, उन गांवों में पेयजल की उपलब्धता के लिए विकल्प तलाश। इसके साथ ही ऐसे गांवों की सूची विकासखंड वार तैयार कर प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने जिले में पेयजल संबंधी समस्या के निराकरण हेतु स्थापित कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों की भी जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण करें। उन्होंने गावों में पेयजल की बेहतर व्यवस्था हेतु खराब हेण्डपम्पों की मरम्मत और कुंओं की आवश्यक साफ-सफाई करने कहा। बैठक के दौरान सीईओ ने वृक्षारोपण के लिए विभागों द्वारा प्रस्तुत किये गये मांग की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में वृक्षारोपण हेतु मांग पत्र प्रस्तुत नहीं किया है वे शीघ्र ही मांग पत्र प्रस्तुत कर दें। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि, भवनों आदि को ध्यान में रखते हुए स्थल का चयन करें। साथ ही वृक्षारोपण हेतु पौधों की सिंचाई, सुरक्षा आदि का भी ध्यान रखें। बैठक में जल संरक्षण हेतु विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भवनों, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र सहित निर्मित किये जा रहे आवासों में भी रैन वाटर हार्वेस्टिंग बनाये जाने के निर्देश दिये। बैठक जल संसाधन, लोक निर्माण, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, आदिवासी विकास विभाग, खाद्य, खनिज, महिला एवं बाल विकास, पंचायत और ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यानिकी, स्वास्थ्य, विद्युत, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना सहित विभिन्न विभागों के समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की।

बड़े मंदिर में मनाया गया अभिनंदन नाथ भगवान का गर्भ व मोक्ष कल्याणक दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर अभिनंदन नाथ भगवान का गर्भ एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव राजधानी के आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट मालवीय रोड में भक्ति भाव से मनाया गया।

कमेटी के पूर्व अध्यक्ष संजय नायक जैन एवं पूर्व सचिव राजेश जैन रज्जन जैन ने बताया कि 13 मई वैशाख शुक्ल षष्ठी सोमवार को दिगंबर जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर अभिनंदन भगवान का गर्भ एवं मोक्ष कल्याणक दिवस है। इस अवसर पर बड़े मंदिर के जिनालय में प्रात: 8.30 बजे मंगलाष्टक पढ़ कर श्रीजी को पाण्डुक शिला में श्रीकार लेखन कर विनय भाव से विराजमान किया गया। 4 रजत कलशों में प्रासुक जल भरकर स्थापना करके अभिषेक प्रारंभ किया गया।

चमत्कारिक सुखशांति प्रदाता शांति धारा की गई आज की शांति धारा करने का सौभाग्य प्रवीण जैन मामाजी को प्राप्त हुआ। आज की शांति धारा का शुद्ध वाचन पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू द्वारा किया गया।तत्पश्चात भगवान की आरती करके अष्ट द्रव्यों से पूजन कर सम्पूर्ण विश्व में सुख शांति समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोचार के साथ अर्घ्य समर्पित किए गए। जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनन्दननाथ को अभिनन्दन स्वामी के नाम से भी जाना जाता है।

अभिनन्दननाथ स्वामी का जन्म इक्ष्वाकुवंशी क्षत्रिय परिवार में माघ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को हुआ था। अयोध्या में जन्मे अभिनन्दननाथ की माता सिद्धार्था देवी और पिता राजा संवर थे। इनका वर्ण सुवर्ण और चिह्न बंदर था। इनके यक्ष का नाम यक्षेश्वर और यक्षिणी का नाम व्रजशृंखला था। अपने पिता की आज्ञानुसार अभिनन्दननाथ ने राज्य का संचालन भी किया। लेकिन जल्द ही उनका सांसारिक जीवन से मोह भंग हो गया। जिसके बाद वो राज पाठ त्याग कर मोक्ष मार्ग पर निकल पड़े।

आज के इस मंगलमय धार्मिक आयोजन के अवसर पर महावीर ज्ञान विद्या संघ के सदस्यो के साथ बड़ा मंदिर ट्रस्ट कार्यकारिणी कमेटी के पूर्व अध्यक्ष संजय नायक जैन,पूर्व सचिव राजेश रज्जन जैन,पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू, प्रवीण जैन मामा जी,प्रणीत जैन ,शुभम जैन के साथ अन्य धर्म प्रेमी बंधु एवं महिलाएं उपस्थित थी।

व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार व टीकाकरण कर जिले को बनाये टीबी मुक्तःकलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी बेमेतरा के सभाकक्ष में वयस्कों में बी.सी.जी. टीकाकरण करने के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय के लिए जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतराम चुरेन्द्र के द्वारा समिति के सदस्यों को वयस्कों में बी.सी.जी. टीकाकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा की जिले में व्यापक प्रचार प्रसार कर जिले में अभियान चलाया जाये। सभी टीकाकरण करने वाले कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दी जाये। इसके लिए कलेक्टर रणबीर शर्मा द्वारा सर्वे पूर्व सभी स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही टीकाकरण करने वाले कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण प्रदाय करने को कहा। जिलाधीश ने समन्वय बैठक के दौरान उपस्थित समस्त विभागाध्यक्ष समाज कल्याण विभाग, नगरीय निकाय, महिला बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, अनुसूचित जनजाति विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं मितानिन कार्यक्रम के अधिकारियों को आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए व्यस्क बी.सी.जी. टीकाकरण अभियान को सफ्लतापूर्वक क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने विभागीय अधिकारी/कर्मचारी जो कि बी.सी.जी. टीकाकरण अभियान के निर्धारित मापदंड को पूर्ण करते है, उन्हे प्राथमिकता के साथ टीकाकृत कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों के द्वारा जनसमुदाय में बी.सी.जी. टीकाकरण के फायदे के संबंध में अवगत कराते हुए टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के समापन के दौरान कलेक्टर द्वारा व्यस्क बी.सी.जी टीकाकरण अभियान के सभी प्रकार के प्रशिक्षण एवं सर्वे संबंधी कार्यों को समय-सीमा के भीतर शतप्रतिशत तक पूर्ण करते हुए सफ्ल क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतराम चुरेन्द्र के द्वारा वयस्कों में बी.सी.जी. टीकाकरण अभियान प्रारंभ होने की जानकारी देते हुए बताया गया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वयस्कों में बी.सी.जी टीकाकरण का अभियान करने हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित किया गया जिसमें जानकारी देते हुए बताया गया कि वयस्कों में बी.सी.जी. का टीकाकरण करने के लिए 06 मापदंड निर्धारित किया गया है। इसके अंतर्गत जिस व्यक्ति को विगत 05 वर्ष में टी.बी. संक्रमित हो चुका है, 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति को, तम्बाकू या धूम्रपान सेवन करने वाले (स्वयं घोषित) व्यक्ति को, विगत 03 वर्षों में टी.बी. मरीज के संपर्क में रहने वाले व्यक्ति को एवं (स्वयं घोषित) मधुमेह रोगी को 18 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर से कम बॉडी मास इंडेक्स वाले व्यक्ति को मितानिनों के माध्यम से सर्वे करके चिन्हांकित करते हुए मापदंड को पूर्ण करने वाले व्यक्ति को व्यस्क बी.सी.जी टीकाकरण के लिए लक्ष्यित लाभार्थी की सूची तैयार करके टी.बी. वीन पोर्टल में प्री-रजिस्ट्रेशन किया जाना है। जिसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण विकासखण्डों एवं सेक्टर स्तर पर दिया जावेगा। मैदानी स्तर के अधिकारी/कर्मचारी के प्रशिक्षण उपरांत सर्वे में प्राप्त डाटा को आधार मानकर कार्य योजना तैयार करके टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाएगा।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

श्रम मंत्री का ऐलान : श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलेंगे 2-2 लाख...

रायपुर (ए.)। पिछले दिनों प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे जारी किये थे। इस सत्र में परिणामों में काफी सुधार देखा गया और छात्रों को पछाड़ते हुए छात्राओं ने टॉपर लिस्ट में बाजी मार ली। वहीं इस सूची में 10 छात्र-छात्राएं ऐसे भी थी जिनके पालक श्रमिक हैं। ऐसे में अब उन छात्र-छात्राओं को राज्य सरकार सम्मानित करेगी। श्रम व उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने ऐसे सभी टॉपर्स से फोन पर बात की, उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि उनके विभाग के द्वारा सभी 10 टॉपर्स को प्रोत्साहन स्वरुप दो-दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा। यह चेक उन्हें आचार संहिता के हटते ही दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस राशि में एक लाख रुपये उनके आगे कि पढ़ाई के लिए होगा जबकि शेष एक लाख दो पहिया वाहन के लिए दिया जाएगा।

गोदोहासन में सवा लाख नवकार जाप करेगा सकल जैन समाज

रायपुर (ए.)। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा महावीर स्वामी के कैवल्य कल्याण दिवस निमित्ते सवा लाख नवकार जाप का अनुष्ठान रखा गया है। वैशाख सुदी 10 , शनिवार 18 मई को भगवान महावीर स्वामी का केवल ज्ञान प्राप्ति का दिन है। साढ़े बारह वर्ष की कठोर साधना के पश्चात गोदोहासन में काउसग्ग करते हुए महावीर स्वामी को शाल वृक्ष के नीचे ऋजुबालिका नदी के तट पर सम्पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि कैवल्य कल्याणक दिवस पर सम्पूर्ण ज्ञान के प्रकाश में सकल जैन समाज छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि व भाईचारे हेतु सवा लाख नवकार महामन्त्र की आराधना करेगा। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने आगे बताया कि ज्ञान के प्रकाश प्रतिरूप शुद्ध घी के दीपक या चिराग प्रज्वलित कर जैन भाई बहनें जिनालय , धार्मिक भवनों अथवा घर पर 12 नवकार का जाप कर देश में भाईचारे, सौहाद्र व छत्तीसगढ़ की सुखसमृद्धि हेतु प्रार्थना करेंगे। जाप प्रात: 7 से रात्रि 7 बजे के मध्य किया जावेगा।

कृषि छात्रों ने किया कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण

रायपुर (ए.)। केएल उद्यानिकी महाविद्यालय पोटियाडीह ,धमतरी के चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने ग्रामीण उद्यानिकी कार्य अनुभव शिक्षा अंतर्गत विगत दिनों ग्राम सम्बलपुर (धमतरी)में केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) का भ्रमण किए। छात्र छात्राओं ने यहां बने मॉडल ग्रीन हाउस, पॉली हाउस, मिक्सड चेंबर, वर्मीवाश, वर्मी कम्पोस्टकी जानकारी प्राप्त की एवं उसके प्रयोग व उपलब्धि की बारे में भी पता लगाया।ये सभी मॉडल कैसे बनाते हैं, किस प्रकार से फसल उत्पादन में लाभदायक होता है, इन सब मॉडल के बारे में कृषि विज्ञान केंद्र वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी छात्रों को दी गई। ग्रामीण उद्यानिकी कार्य अनुभव शिक्षा अंतर्गत ,छात्र छात्राओं को केवीके में भी प्रशिक्षण दिया गया। केवीके का मुख्य कार्य क्या होता है, प्रशिक्षण के माध्यम से वैज्ञानिको द्वारा छात्र-छात्राओं को केवीके के बारे में पूर्ण रूप से अवगत कराया गया।

सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का नेट क्वालिफाई होना और पीएचडी डिग्रीधारी होना आवश्यक

कुलपति के बाद सहायक प्राध्यापकों पर गिर सकती है गाज

रायपुर (ए.)। महात्मा गांधी उद्यानिकी विवि के कुलपति को उनके पद से हटाए जाने के बाद फर्जी तरीके से नियुक्त हुए सहायक प्राध्यापकों पर भी गाज गिर सकती है। जिन सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति फर्जी तरीके से किए जाने के आरोपों के आधार पर कुलपति को पद से हटाया गया है, अब उन सहायक प्राध्यापकों पर भी कार्रवाई की तैयारी है। कुलपति को राजभवन द्वारा पिछले शुक्रवार आदेश जारी कर पद से हटाया गया था। विवि द्वारा बीते वर्ष दो चरणों में सहायक प्राध्यापकों के 36 पदों के लिए आवेदन मांगे गर थे। यूजीसी नियमों के अनुसार, सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का नेट क्वालिफाई होना और पीएचडी डिग्रीधारी होना आवश्यक है।

सूत्रों के अनुसार प्राध्यापकों की योग्यता की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुलपति प्रो कुरील ने ऐसे अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति प्रदान कर दी, जिनके पास पीएचडी डिगी नहीं थी। इनकी नियुक्ति इस वर्ष जनवरी माह में की गई थी। तब से ये प्राध्यापक के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। छात्र संगठनों द्वारा मर्ती घोटाले की शिकायत किए जाने के साथ ही भर्ती प्रक्रिया पुन: प्रारंभ करने की भी मांग की गई थी। छात्र संगठनों के अलावा इन पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों ने भी जांच की मांग की थी। कुलपति का पद रिक्त : डॉ कुरील को हटाए जाने के बाद संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग को यहां का प्रभार दिया गया है। उद्यानिकी विवि के वर्तमान कुलपति की नियुक्ति 2022 में की गाई थी। बतौर कुलपति उनका तीन वर्ष से अधिक का कार्यकाल शेष था। अब विवि में कुलपति का पद रिक्त हो गया है।

पीएचडी धारियों ने भी किए थे आवेदन

एक वर्ष पूर्व अप्रैल माह में उद्यानिकी विवि द्वारा पहला आवेदन निकाला गया था। उस वक्त 3 पदों के लिए आवेदन मांगे गए। दूसरा विज्ञापन जुलाई में निकालते हुए 36 पदों के लिए आवेदन मांगे गए। इस तरह से कुल 39 पदों पर भर्ती होनी थी, लेकिन नियुक्ति सिर्फ 36 पदों पर हुई। ऐसा नहीं है कि इन पदों के लिए विवि को योग्य अभ्यर्थियों के आवेदन नहीं मिले। नेट उत्तीर्ण होने के साथ ही पीरचडी डिग्री धारियों ने भी इसके लिए आवेदन किया था, लेकिन उन्हें नजर अंदाज करते हुए गैर पीएचडी डिग्रीधारियों को नियुक्ति दे दी गई। मामला सामने आने के बाद अन्य आवेदनकर्ताओं ने भी विरोध किया था।

जल जीवन मिशन योजना का बुरा हाल

ठेकेदार की लापरवाही से आम लोगों हो रही पानी की समस्या

रायपुर (ए.)। ग्राम रानीगांव में जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना का बुरा हाल है, यहां दो साल से पानी टंकी अधूरा पड़ा है जो गुणवत्ताहीन बनने की वजह से पूर्ण होने के पहले ही जर्जर स्थिति में है। जिसे लेकर ग्रामीणों मे ठेकेदार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश व अधिकारियों के कार्यशैली पर मिलीभगत की चर्चा भी व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से ठेकेदार पर कार्यवाही के साथ अधिकारियों के कार्य की जांच करा कर कार्यवाही की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि शासन प्रशासन द्वारा आम ग्रामीणों के विकास के लिये अलग-अलग विभाग बना कर कार्य की रूपरेखा तैयार की जाती है और उन विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण निर्माण और पूरी ईमानदारी से कार्य करने की जवाबदारी दी जाती है जहां विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को उनके पद के हिसाब से मोटी रकम तनख्वाह के रूप मे दी जाती है। ताकि कार्य में लापरवाही न हो मगर अब अधिकतर विभागों में निर्माण कार्य की गुणवत्ता सिर्फ फाईलों तक अटक कर रह जाती है। जहां अधिकारी व ठेकेदार के मिलीभगत से निर्माण कार्य समय से पहले ही जर्जर हो जाते है। जिससे शासन को लाखों करोड़ों का नुकसान का सामना करना पडता है। उससे ज्यादा आम ग्रामीणों को परेशानी होती है। ठीक ऐसा ही इन दिनों लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मे देखने को मिल रहा है।

जहां हर घर नल, हर घर जल के तहत जल जीवन मिशन के योजना से निर्माण कार्य चल रहा है। जहां करोड़ों रूपये के लागत से गांव गांव मे पाईपलाईन व नये पानी टंकी का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जो आज दो साल से कई जगह तो टंकी अधूरा पड़ा है तो कही पाईपलाईन में गड़बड़ी ,तो कहीं काम पूर्ण होने के बाद पानी की समस्या, ऐसा गाव गाव निरीक्षण करने पर आम ग्रामीणों की शिकायत है ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है की अधिकारी को शिकायत करते है तो ठेकेदार का हवाला दे देता है की जल्द ही ठेकेदार से कार्य पूर्ण करवा रहे वही ठेकेदार को बोलो तो पेमेन्ट का हवाला देते है। ठीक ऐसा ही मामला ग्राम रानीगाव मे देखने को मिला जहां ग्रामीण गिरधारी साहू, माधव देवांगन, रामलाल ध्रुव, हिरसिग निषाद, ईश्वर निषाद, लोकेश्वर पाण्डे ने बताया की पाईपलाईन तो बिछ गया टंकी भी निर्माण हो गया जो अभी भी पूर्ण नही हुआ और टंकी उपयोग के पहले ही जर्जर हो गया । टंकी मे चढते ही पूरा सीढी हिलने लगता है

नये टंकी भी जगह जगह घटिया निर्माण के चलते अलग से दिख रहा जहां पानी भरने के बाद भी उम्मीद नहीं कि यहां पानी रूक पायेगा। टंकी की स्थिति ही बता रहा है की पानी भरते ही यहां सीपेज चालू हो जायेगा यहां निर्माण कार्य ठेकेदार और अधिकारियों के लापरवाही या मिलीभगत की भेंट चढ़ गया। ग्रामीणों के लिये यह मिशन सिर्फ शो पीस बनकर रह गया है।

वनांचल में जीजेएम बना सफेद हाथी

वहीं नगरी ब्लाक के टाइगर रिजर्व क्षेत्र विकासविहीन है। जहां बिजली नहीं ऐसे में पाईप लाईन का निर्माण तो ठेकेदार कर जो जो आधे अधूरा हो और टंकी निर्माण का कार्य क्रेडा विभाग कर रहा है। यहां क्रेडा द्वारा सोलर पेनल से पानी सप्लाई होना है। मगर क्रेडा विभाग के सुस्त कार्यशैली के चलते गांव में मटेरियल गिरा दिया गया। पानी टंकी खुले मैदान मे पड़ा है। निर्माण कार्य नहीं होने से ग्रामीणों की उम्मीद खत्म हो गई। बारिश भी जल्द लगने वाली है ऐसे मे वनांचल वासियों के लिये ये मिशन सिर्फसफेद हाथी साबित हो रहा है।

गांवों के गलियों का नहीं हुआ मरम्मत

वही पाईप लाईन के लिये अधिकतर गांवों के सीसी सडको को ठेकेदार ने तोड़कर पाईप लाईन का विस्तार किया जहां ठेकेदार को टूटे हुए सी सी सड़क को फिर से निर्माण कर देना है। जिसका पैसा भी टेन्डर में शामिल है ।मगर पाईप लाईन निर्माण के दो साल गुजरने के बाद भी सडक का मरम्मत नहीं किया गया । जिससे बारिश होते है ग्रामीणों को परेशानी होगी जहां ठेकेदार ने निर्माण कार्य का राशि बचाकर शासन को चुना लगा रहा है जिसका भार फिर से शासन को उठाना पड़ेगा।

ब्लाक का सबसे बडा गांव फिर भी पेयजल की समस्या

वहीं नगरी ब्लाक का सबसे बडा ग्राम पंचायत सांकरा में दो साल से जनजीवन मिशन का कार्य चल रहा है जो अब तक पूर्ण नही हुआ। आज भी ग्रामीण नल जल योजना के तहत ही उपयोग कर रहे जहां हरिजन पारा में सुबह से पानी के लिये लाईन लग जाता है । टाईमिग के चलते कई बार तो ग्रामीणों को पानी भी नहीं मिल पाता। जल जीवन मिशन के लिये भी इस मोहल्ले मे अलग से पाईप लाईन का निर्माण नहीं किया गया। गली के गंदे पानी बहने वाली नाली मे ही पाईप लाईन लगा दिया गया शिकायत के बाद नाली में ही पाईप को ढक दिया गया है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नगरी के एसडीओ एस के ठाकुर ने चर्चा में बताया कि रानीगांव में जांच किए है । सीढ़ी तोड़ने ठेकेदार को बोले है। पानी भरने के बाद ही टंकी का सिपेज पता चलेगा। सांकरा में इंजिनियर को बोल कर चेक करवाता हूं। टेस्टिंग पूरी होने पर सड़कों का मरम्मत किया जायेगा।

स्कूल शिक्षा विभाग के संभाग और जिला अधिकारियों का पांच दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्रारंभ

पूर्व प्रीटेस्ट व प्रशिक्षण के बाद पोस्ट टेस्ट देंगे यह प्रशिक्षण 5 दिनों तक चलेगा

रायपुर (ए.)। लोक शिक्षण संचालक दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग में परिवर्तन का दायित्व संभाग व जिले के शिक्षा अधिकारियों पर है उच्च प्राथमिकता के कार्यों का त्वरित क्रियान्वयन हेतु हमें प्रशासनिक रूप से दक्ष एवं योजनाओं का ज्ञान बहुत आवश्यक है और इसीलिए प्रशिक्षण आवश्यक है। छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में प्रदेश के पांच संभाग के संयुक्त संचालकों सभी जिला शिक्षा अधिकारियों व सहायक संचालकों के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के प्रारंभिक सत्र को संबोधित कर रही थी। संभाग और जिलों के अधिकारी प्रशिक्षण पूर्व प्रीटेस्ट व प्रशिक्षण के बाद पोस्ट टेस्ट देंगे।

श्रीमती मिश्रा ने कहा कि विभाग द्वारा जारी किए गए योजना व नियम निर्देश को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी जिलों की होती है जब हम प्रशासनिक रूप से दक्ष होंगे तभी हम इसे बेहतर कर पाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, निष्ठा पोर्टल, दीक्षा पोर्टल, प्रबंध पोर्टल, आरटीआई, पीएम पोषण योजना इत्यादि पोर्टल को भी अपडेट किए जाने की आवश्यकता है जिसके लिए दक्ष होना जरूरी है।

श्रीमती मिश्रा ने कहा कि हमें अनुशासन का पालन करते हुए सुनने की आदत डालनी होगी और प्रशिक्षण को जीवंत बनाए रखना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वयं का आकलन करने वाला व्यक्ति कभी हार नहीं मानता। उद्घाटन सत्र में प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर टीसी महावर ने कहा कि विभाग के आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों से अनुशासन में रहकर नियमों का पालन किए जाने की अपेक्षा की। उन्होंने अकादमी के पुस्तकालय का उपयोग भी किए जाने का सुझाव दिया। अतिरिक्त संचालक डॉक्टर योगेश शिवहरे ने इस अवसर पर कहा कि अच्छा प्रशासक वही होता है जो नियम कानून को जाने वह किसी के हाथों की कठपुतली ना बने। हमें ऐसा कार्य करना चाहिए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी कोई समस्या खड़ी ना हो। योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त विषयों पर भी शाम के सत्र में प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में उपसंचालक आशुतोष चावरे, अशोक नारायण बंजारा, प्रशांत पांडेय, अकादमी के कोर्स डायरेक्टर अभिषेक दुबे, डॉक्टर प्रदीप शुक्ला और नोडल प्रभारी डी. दर्शन उपस्थित थे। प्रशिक्षण में संजीव श्रीवास्तव बस्तर, आरपी आदित्य बिलासपुर, राकेश पांडे रायपुर, संजय गुप्ता सरगुजा व आर. एल. ठाकुर दुर्ग के संयुक्त संचालक सहित 33 जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी और 12 जिलों के सहायक संचालक उपस्थित थे।

समाजिक पतन व वर्तमान परिस्थितियों को लेकर जताई चिंता

लेखकों के सम्मेलन में वर्तमान परिस्थितियों पर हुई चर्चा

रायपुर (ए.)। मसीही लेखकों व साहित्यकारों का सम्मेलन शनिवार को राजधानी में प्रेयर टॉवर में आयोजित किया गया। इसमें समाजिक पतन व वर्तमान परिस्थितियों को लेकर चिंता जताई गई। कार्यक्रम के आयोजक हृदय स्पर्शी पत्रिका व परिवार वेदी के संपादक पादरी राजेश गार्डिया थे। मुख्य वक्ता प्रयागराज यूपी के पादरी उदित सोना थे। मुख्य अतिथि समाजसेवी व सेंट पॉल्स कैथेड्रल पास्ट्रेट कोर्ट के अध्यक्ष जॉन राजेश पॉल और अध्यक्षता जीसस कॉल के प्रमुख डॉ. आशीष चौरसिया ने की।

दिवंगत लेखिका प्रतिमा पटेल को श्रद्धांजलि दी गई। गारंटी विषय पर परिचर्चा पर धमतरी के अरनी रॉबर्ट्स ने अपनी बात रखी। पादरी सुबोध कुमार तिल्दा ने कविता पाठ किया। पादरी सोना ने लेखकों व पाठकों के लिए दैनिक मनन के महत्व पर व्याख्यान दिया। सम्मलेन में लेखकों ने महसूस किया कि परिवार और समाज के बीच की बढ़ती खाई को पाटना होगा। इंफर्मेशन और टेक्नालाजी के जमाने में विश्व भले ही वैश्विक गांव बन गया हो, लेकिन लोगों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। वॉट्सएप

पर भले ही सैकड़ों दोस्त हो, लेकिन परिवार के लोगों के बीच ही संवाद कम होने लगा है। ऐसी परिस्थिति में लेखकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। लेखन से लोगों को जोड़ना होगा। मानवीय रिश्तों में संवेदनशीलता व मजबूती लानी होगी। जब तक परिस्थिति सामान्य न हो कलम के केंद्र में केवल परिवार और परिवार ही होना चाहिए। इसके सकारात्मक नतीजे भी आने की उम्मीद है। जब परिवार जुड़ेगा तो समाज जुड़ेगा। समाज मजबूत होगा तो प्रदेश व देश तरक्की करेगा।

इसलिए लोगों को नजदीकियां बढ़ानी होगी। परिवारों के बीच नजदीकियां बढ़ानी होगी। समाज के लगातार तेजी से नैतिक पतन पर भी चिंता जाहिर की गई। इसे रोकने का दायित्व लेखकों पर ज्यादा है। इसकी वजह यह भी कि आज कोई भी उपदेश का प्रवचन नहीं सुनना चाहता, खासकर नई पीढ़ी। समाज को उपदेश देने वालों का भी तो पतन हो रहा है। इसलिए लेखन को लोगों के निजी जीवन से जोड़ना होगा। वैल्यूज और इमोशंस में तालमेल लाना होगा। रीयल लाइफ स्टाइल पर अपनी कलम चलानी होगी। तभी समाज को अपने नजदीक लाकर जोड़ सकेंगे। कलम से फ्लासफर बनने की बजाए लेखन में नैचरल रहना होगा। जो महसूस करते हैं उस वास्तविकता को ही पन्नों पर उतारना चाहिए। सेवा, हेल्थ और एजुकेशन जिसके नाम से मसीही पहचाने जाते हैं उस पर जागरूकता कायम रखनी होगी।

सम्मेलन में पादरी राजेश गार्डिया रायपुर, पादरी सुबोध कुमार तिल्दा, पादरी एचके पटेल रायपुर, पादरी इम्मानुएल पाइक व विमला पाइक बसना, पादरी डॉ. अनिल कुमार रायपुर, गीतेश कुमार व मधुशीला गुहा भिलाई, अर्नी रॉबर्ट्स व ओशीन लाल धमतरी, आलोक कुमार तांडी, भावना मसीह व शोभा जीनस चांपा, सीमा लाल, जिम्स कश्यप, एसके गिर, विनिता गिर, डॉ. आशुतोष लाल, अनीता गार्डिया रायपुर शामिल हुए।

नगर निगम व यातायात विभाग ने नो पार्किंग एवं अतिक्रमण पर कार्यवाही की

रायपुर (ए.)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में यातायात निरीक्षक अजय खेस, नवरतन कश्यप, सउनि येनलाल चन्द्राकर, कुंजलाल साहू, कमल किशोर श्रीवास्तव, थानेश्वर प्रसाद बांधव एवं नगर निगम के सब इंजीनियर अनुप पांडे, डागेश्वर एवं दिलीप गोस्वामी की उपस्थिति में शहर के जय स्तंभ चौक, जूनी हटरी, गुड़ाखू लाईन, आजाद चौक, भारत माता चौक, कामठी लाइन, सिनेमा लाईन, मानव मंदिर, फौव्वारा चौक में रोड पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले व्यवसायी पर कार्यवाही कर रोड पर रखे फ्लैक्स को हटाने एवं जप्ती की कार्यवाही की गयी। साथ ही शहर के भीतर अव्यवस्थित नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर यातायात विभाग द्वारा चालानी कार्यवाही किया गया। यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगा। शहर के सभी व्यवसायी से अपील है कि रोड के बाहर सामान न लगाये एवं सभी वाहन चालक अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही पार्किंग करें। यातायात व्यवस्था बनाये रखने यातायात नियमों का पालन करे एवं असुविधा से बचे।

डबल आईस्मार्ट का टीजर 15 मई को मचाएगा धूम

राम पोथिनेनी-संजय दत्त की फिल्म का नया पोस्टर जारी

संजय दत्त और राम पोथिनेनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल आईस्मार्ट इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शकों को बेसब्री से फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है। कुछ समय पहले फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ जानकारियां सामने आई हैं। वहीं अब फिल्म के निर्माता इसका टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

डबल आईस्मार्ट के जरिए निर्देशक पुरी जगन्नाध और अभिनेता राम पोथिनेनी दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। वहीं अब निर्माता फिल्म का टीजर रिलीज करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए टीजर रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म का टीजर 15 मई, 2024 को लॉन्च किया जाएगा। इस दिन अभिनेता राम पोथिनेनी का जन्मदिन भी है।

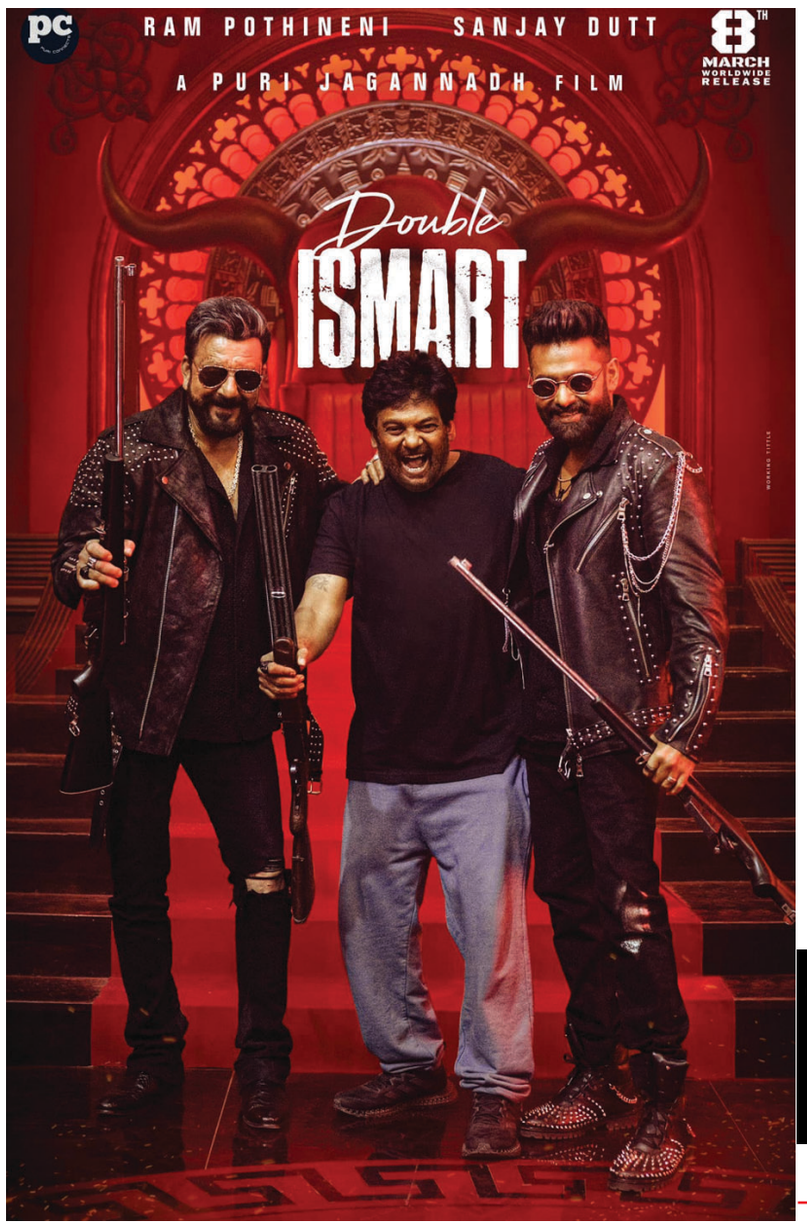

उन्होंने इस रोमांचक घोषणा को साझा करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर राम पोथिनेनी के लुक का एक आकर्षक पोस्टर साझा किया। पोस्टर में राम को चेहरे पर मास्क लगाए पावर-पैक अवतार में दिखाया गया है। बाघ धारी शर्ट और फटी जींस पहने राम एक हाथ में सिगरेट और दूसरे हाथ में पटाखे पकड़े नजर आ रहे हैं। पोस्टर में वह कड़ी नजरें गड़ाए हुए नजर आ रहे हैं। डबल आईस्मार्ट ब्लॉकबस्टर फिल्म आईस्मार्ट शंकर की अगली कड़ी है। फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले पुरी जगन्नाध और चार्मी कौर द्वारा किया जा रहा है।

फिल्म की शूटिंग कुछ दिन पहले मुंबई में शुरू हुई थी। इस हाई-वोल्टेज एक्शन एंटरटेनर के लिए हॉलीवुड सिनेमैटोग्राफर जियानी जियानेली भी काम कर रहे हैं। डबल आईस्मार्ट तकनीकी रूप से उच्च मानकों के साथ उच्च बजट पर बनाया जा रहा है। निर्माता जल्द ही फिल्म के अन्य कलाकारों और क्रू का खुलासा करेंगे। इस हाई-बजट मनोरंजक फिल्म की शूटिंग वर्तमान में मुंबई में हो रही है, जिसमें प्रमुख कलाकार भाग ले रहे हैं। टीम जल्द ही फिल्म रिलीज करने की योजना बना रही है, इसलिए वे लगातार इससे जुड़ी कई जानकारियां साझा कर रहे हैं।

लायंसगेट के नए प्रोजक्ट में सुनील शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी पूजा भट्ट

अभिनेत्री पूजा भट्ट हाल ही में जल्द ही लायंसगेट इंडिया के नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसे लेकर वह बेहद उत्सुक हैं। इसमें पूजा भट्ट के साथ सुनील शेट्टी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसमें दोनों एक बार फिर से साथ में स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले दोनों साथ में मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर में साथ दिखाई दिए थे। पूजा ने अपने नए प्रोजेक्ट की झलक साझा करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी है।

पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लायंसगेट इंडिया के साथ मेरे अगले प्रोजेक्ट की एक झलक। उन्होंने सुनील शेट्टी को टैग करते हुए आगे लिखा, आपके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। अभिनेत्री ने लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट से ये तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में पूजा काले रंग की साड़ी में कैमरे के सामने खड़ी हुई नजर आ रही हैं।

वहीं सूत्रों के मुताबिक, लायंसगेट की धमाकेदार नई एक्शन थ्रिलर में पूजा भट्ट आयरन लेडी के किरदार में नजर आ सकती हैं। वह इसमें एक मजबूत महिला भूमिका का किरदार निभाएंगी। लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट और सुनील शेट्टी के साथ फिर साथ काम करने को लेकर पूजा भट्ट काफी खुश हैं।

उन्होंने कहा, मुझे हमेशा सशक्त महिलाओं को स्क्रीन पर निभाने का सौभाग्य मिला है। मैंने इसे चुना है। मैं इस किरदार की शक्ति, गहराई और सहानुभूति के कारण तुरंत इसकी ओर आकर्षित हो गई। वह जिस चीज में विश्वास करती है, उसके लिए स्टैंड लेने और चुनौतियों का डटकर सामना करने की उसकी क्षमता एक ऐसी चीज है, जिससे मैं व्यक्तिगत स्तर पर जुड़ती हूं। दर्शकों द्वारा इस नए अवतार को देखने का अब और इंतजार नहीं किया जा सकता है।

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज का हिस्सा बनीं अनन्या पांडे

किरदार से भी उठा पर्दा

सैम बहादुर की सफलता के बाद से ही प्रशंसक विक्की कौशल की आने वाली फिल्म बैड न्यूज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में विक्की की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। पंजाबी गायक एमी विर्क भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। ताजा खबर यह है कि अभिनेत्री अनन्या पांडे भी बैड न्यूज की स्टार कास्ट से जुड़ गई है। इसके साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठ चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म बैड न्यूज में अनन्या मेहमान भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है। अनन्या फिल्म में एक लोकप्रिय फिल्म स्टार की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी में नया मोड़ लाएगा।बैड न्यूज 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशन के कमान आनंद तिवारी ने संभाली है तो वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।

अनन्या को आखिरी बार खो गए हम कहां में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई। इन दिनों अनन्या अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं।इसके अलावा अनन्या, अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म शंकरा में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी चेट्टूर शंकरन नायर के परपोते रघु पलाट और पत्नी पुष्पा पलाट द्वारा लिखी गई किताब द केस दैट शुक द एम्पायर पर आधारित है।

शहनाज गिल ने ब्लू कलर का बोल्ड आउटफिट पहन इंटरनेट पर लगा दी आग

एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका लुक देखकर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

अपनी क्यूटनेस और चुलबुले अंदाज से लोगों को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस शहनाज के हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं तो चंद ही मिनटों में फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स आने लगते हैं। हालांकि कई बार ऐसा भी होता है जब नेटिजन्स उन्हें ट्रोल भी करने लगते हैं। हाल ही में शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज देखकर फैंस दंग रह गए हैं। साथ ही उन्हें ट्रोल करते हुए कॉमेंट्स कर रहे हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं शहनाज गिल ने ब्लू कलर का बोल्ड आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो सिंड्रेला लुक देने की कोशिश कर रही हैं। वहीं उनके पोज को देखकर एक यूजर ने लिखा है- इज्जत महंगी चीज है इसे ऐसे नहीं दिखाते हैं। दूसरे यूजर ने लिखा है- ये क्या बवाल है। तीसरे ने लिखा है- ऐसे पब्लिक में पोज नहीं देते हैं। शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक देखने के लिए फैंस भी उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। शहनाज गिल अपना फोटोशूट करवाते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई इंटरन का पारा गर्म कर रही हैं।

लाल केला खाना होता है स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

बाजार में साधारण पीले केले के अलावा लाल रंग का केला भी मिलता है। लाल केले के छिलके का रंग गाढ़ा लाल और बैंगनी होता है और यह दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है। इसकी मिठास पीले केले जैसी ही होता है, लेकिन इसमें हल्का रैस्पबेरी जैसा स्वाद भी होता है। इसमें केरोटीन और विटामिन सी होता है, जो कोशिकाओं के स्वास्थ्य को सुधारता है। लाल केले को डाइट में जोड़ने से आपको ये 5 लाभ मिलेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, 100 ग्राम पके लाल केले में फाइबर की मात्रा 2 ग्राम होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लाल केले में अघुलनशील फाइबर की मौजूदगी पाचन में सहायता करती है। इस फल को खान-पान का हिस्सा बनाने से कब्ज की परेशानी को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा लाल केले एक प्रीबायोटिक होते हैं, जिनमें फ्रूक्टो-ऑलिगोसेकेराइड होता है।यह आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

लाल केला पोटैशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हृदय के कामकाज में मदद करता है। इस फल में इलेक्ट्रोलाइट्स और पोटाशियम होता है, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधारने में एक अहम भूमिका निभाता है। पोटेशियम की कमी (हाइपोकैलिमिया) उच्च रक्तचाप और हृदय की

मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते है कि लाल केले को आहार में शामिल करने से पोटेशियम की दैनिक आवश्यकता का औसतन 15 प्रतिशत मिलता है।

100 ग्राम लाल केले में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा 25 ग्राम होती है। वैसे तो इसका ब्लड शुगर के प्रबंधन से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन मधुमेह रोगी इसका सेवन कर सकते है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) और आहार फाइबर कम होता है। जीआई यह मापने के लिए उपयोग किया जाता है कि खाद्य पदार्थ ब्लड शुगर के स्तर को कितनी तेजी से बढ़ाते हैं। इस पैमाने पर लाल केले का अंक लगभग 45 है, जो बेहद कम माना जाता है।

एक शोध के अनुसार, लाल केले में मौजूद बीटा-कैरोटीन विटामिन ए का भाग है। यह हमारी आखों की रोशनी को सुधारने में मदद कर सकता है।लाल केले बीटा-कैरोटीन के साथ-साथ ल्यूटिन का अच्छा स्रोत होते हैं, इसलिए ये दृष्टि को सुधार सकते हैं। ये विशेष रूप से उम्र से संबंधित मैकुलर अपघटन को रोकने में मदद करते हैं, जो आखों को खराब करने वाला एक नेत्र रोग है।

लाल और पीले दोनों केले ही सेहत के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन दोनों में से एक में अधिक पोषण मौजूद होता है।लाल केले में 1.29 ग्राम प्रोटीन, 0.29 ग्राम वसा, 1.98 ग्राम फाइबर, 6.74 ग्राम विटामिन- सी और 25.2 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है। वहीं, पीले केले में 1.23 ग्राम प्रोटीन, 0.33 ग्राम वसा, 1.94 ग्राम फाइबर, 4.74 ग्राम विटामिन-सी और 23.63 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है।लाल केले में मौजूद बीटा कैरोटीन और विटामिन सी पीले केले से ज्यादा होते हैं।

खास खबर

अवैध प्लॉटिंग और खनिज उत्खनन पर सख्त हुए कलेक्टर, अविलंब कार्रवाई के दिए निर्देश

बिलासपुर । कलेक्टर अवनीश शरण ने अवैध प्लॉटिंग के मामलों पर सजगता से निगरानी के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए है। उन्होंने कहा है कि अवैध प्लॉटिंग पर अविलंब सख्त कार्रवाई की जाए। इसी प्रकार उन्होंने अवैध खनिजों के उत्खनन व परिवहन पर भी कार्रवाई करने कहा है। कलेक्टर ने आज समय-सीमा की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए है। जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अवैध प्लॉटिंग और अवैध खनिजों के उत्खनन व परिवहन पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी स्थिति में खनिजों का अवैध उत्खनन एवं परिवहन नही होना चाहिए। सभी एसडीएम और खनिज विभाग के अधिकारी खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर संयुक्त कार्रवाई करे। कलेक्टर ने समय-सीमा के लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए इन्हे भी तत्काल निराकृत करने के निर्देश दिए। पीएमओ पोर्टल में लंबित एक माह से अधिक के मामलों का तत्काल निपटारा करने कहा। नए शिक्षा सत्र के शुरू होने के पहले स्कूल भवनों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला अस्पताल में संचालित पोषण पुनर्वास केन्द्र की भी समीक्षा की। बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि फ्लिहाल एनआरसी में 22 बच्चे भर्ती है। कलेक्टर ने कहा कि एनआरसी में क्षमतानुसार बच्चों को भर्ती किया जाए। बच्चों की वेटिंग लिस्ट बनाकर रखी जाए जिससे बच्चों के डिस्चार्ज होने के बाद नये बच्चों को तुरंत भर्ती किया जा सके। बैठक में डीएफओ सत्यदेव शर्मा, जिला पंचायत सीईओ आरपी चौहान, एडीएम आर.ए. कुरूवंशी, शिव कुमार बनर्जी, सभी एसडीएम सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने पद्मश्री रामलाल बरेठ का किया अभिनंदन

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने मंगला स्थित निवास पहुंचकर पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कत्थक गुरू रामलाल बरेठ का अभिनंदन किया। उन्होंने पद्मश्री पुरस्कार से नवाजे जाने पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से नई दिल्ली में पुरस्कार ग्रहण करने के बाद बरेठ बिलासपुर लौटे हैं। कलेक्टर ने बड़ी दिलचस्पी के साथ बरेठ से चर्चा करते हुए उनकी कला यात्रा के बारे में जानकारी ली और बाल्यकाल से ही कठोर साधना व समर्पण के लिए खूब सराहना की। बरेठ की मंशा के अनुरूप बिलासपुर में उनके शिष्य कलाकारों के सम्मेलन आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। गौरतलब है कि रामलाल बरेठ को रायगढ़ कत्थक घराने को सहेजने और कला के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पद्श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 88 वर्षीय रामलाल बरेठ जाने माने कत्थक नर्तक हैं। वे राजा चक्रधर के दरबार रत्नों में से एक माने जाते हैं। रामलाल बरेठ ने राजा चक्रधर के सानिध्य में नृत्य की शिक्षा दीक्षा ली। उन्होंने बड़ी संख्या में कलाकारों को कत्थक नृत्य विधा से जोड़ा और उन्हें नृत्य में पारंगत किया। केन्द्र सरकार द्वारा उन्हें वर्ष 1996 में संगीत नाटक अकादमी सम्मान से नवाजा जा चुका है। साल 2002 में उन्हें शिखर सम्मान भी मिल चुका है। वर्ष 2006 में छत्तीसगढ़ सरकार ने उन्हें राजा चक्रधर सम्मान से सम्मानित किया। रामलाल बरेठ के बेटे भूपेन्द्र बरेठ भी कत्थक गुरू हैं।

'आयाम- ऊंची उड़ान का' आयोजन अब जून माह के तृतीय सप्ताह में

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर आगामी जून माह में आयोजित हो रहे यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा को देखते हुए 18 मई को प्रस्तावित मार्गदर्शी कार्यक्रम आयाम - ऊंची उड़ान का के आयोजन की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। परीक्षा में सम्मिलित हो रहे युवाओं व उनके पालकों ने सोमवार को कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह से मुलाकात कर प्रारंभिक परीक्षा उपरांत ही कार्यशाला आयोजित करने का अनुरोध किया था। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा है कि अब यह कार्यशाला यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के बाद जून के तृतीय सप्ताह में संभावित है। कलेक्टर के निर्देश पर इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों को भी आमंत्रित करने की योजना तैयार की जा रही है। कार्यशाला में सम्मिलित होने के इच्छुक प्रतिभागियों व पालकों से कहा गया है कि कार्यशाला में प्रवेश हेतु नि:शुल्क पंजीयन की प्रक्रिया जारी है,रायपुर जिला प्रशासन द्वारा युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करने आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में 2011 से 2024 बैच के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस व अन्य संवर्ग के अधिकारियों से संवाद का अवसर मिलेगा। कलेक्टर डॉ. सिंह से मुलाकात में युवाओं ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुखों, उनके विषय विशेषज्ञों, मार्गदर्शकों को भी इस कार्यशाला में आमंत्रित कर उनके भी व्याख्यान का अनुरोध किया, जिससे कि रायपुर में ऐसे विषय विशेषज्ञों को सुनने व विद्यार्थियों को अपनी तैयारियों को दिशा देने का अवसर मिल सकें। उनकी उपलब्धता के आधार पर आमंत्रित कर उनके सत्र आयोजित किए जाएंगे।

सुदूर वनांचल सहित मैदानी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करें : कलेक्टर महोबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कलेक्टर महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक में चिन्हांकित पेयजल समस्या वाले गांवों में पेयजल आपूर्ति के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के समय सीमा में लंबित प्रकरणों का समीक्षा कर निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर महोबे ने कहा कि गर्मी में सबसे बड़ी चुनौती वनांचल सही मैदानी क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति करना है। जहां जल स्तर कम हुआ है, वहां विभिन्न स्रोत के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर अविनाश भोई, संयुक्त कलेक्टर आलोक श्रीवास्तव, डॉ. मोनिका कौड़ो, पंडरिया एसडीएम संदीप ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर आरबी देवांगन, लेखा अजगल्ले, हर्षलता वर्मा, आकांक्षा नायक सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर महोबे ने कहा कि बोड़ला विकासखंड के सुदूर वानांचल क्षेत्र कांदावानी, कुकरापानी, पौनी, बांटीपथरा सहित सुदूर वनांचल क्षेत्रों में पेयजल समस्या दूर करने लोक स्वास्थय यांत्रिकी एवं क्रेडा विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने वनांचल क्षेत्रों में पेयजल समस्या दूर करने के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में बहने वाली नदी-नालों में नाला बंधान के लिए वन विभाग, जिला पंचायत को कार्ययोजना के बनाने के आवयक निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारी को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वही शहरी क्षेत्रों में जिस वार्ड में पानी की समस्या की शिकायत मिलती है, वहां टैंकर उपलब्ध कराने कहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी गांव में पेयजल की समस्या नही होनी चाहिए। सभी को पेयजल उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। क्रेडा के अतंर्गत सौर ऊर्जा से संचालित होने वाले बोर जहां सप्लाई की दिक्कत या खराब हो गई है उसे ठीक करने के निर्देश क्रेडा विभाग के अधिकारी को दिए। उन्होंने पानी रोको अभियान के तहत नाला बंधान के कार्य को करने के लिए कहा। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों में बचत स्टॉक का भौतिक सत्यापन करते हुए करते हुए गड़बड़ी करने वालों पर एफआईआर कर कड़ी करवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने फसल नुकसान होने वाले किसानों के आरबीसी 6-4 के तहत तथा फसल बीमा के अंतर्गत मिलने वाली राशि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बैठक में श्रम अधिकारी और बोड़ला सीएमओ के उपस्थित नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की।

कलेक्टर ने वनों की अवैध कटाई की शिकायतों एवं मीडिया के माध्यम से मिल रही जानकारी को संज्ञान में लिया। उन्होंने वनों की अवैध कटाई के रोकथाम के लिए एसडीएम और वन विभाग के संबंधित एसडीओं को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले का अधिकांश क्षेत्र में वन फैला हुआ है, कई स्थानों पर वन कटाई की शिकायत प्राप्त होती है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर तत्काल टीम भेजकर करवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बढ़ती हुई गर्मी को ध्यान में रखते हुए लू और मौसमी बिमारी से बचाव के लिए जिले में संचालित सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर महोबे ने कहा कि गर्मी के दिनों में ओवर लोड होने के कारण विद्युत की समस्या आती है, इसे ध्यान में रखते हुए विद्युत विभाग तत्परता से कार्य करते हुए विद्युत आपूर्ति को लगातार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक महीने बाद नया स्कूल सत्र प्रारंभ होगा। इसके पहले जिले में संचालित स्कूल भवनों को सही करें। जिन भवनों में मरम्मत की जरूरत है वहा स्कूल प्रारंभ होने के पहले ही ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान की खेती में अधिक पानी की आवश्यकता होती है। गर्मी के मौसम में कम पानी की आवश्यकता वाले फसल लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें। जिससे भूजल स्तर अच्छा रहेगा।

जीवन मे खेल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, मन लगाकर खेल भावना से ले प्रशिक्षण - सीईओ डॉ. कन्नौजे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के मार्गदर्शन में जिला मुख्यालय बालोद में जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ आज स्व. सरयू प्रसाद अग्रवाल इंडोर स्टेडियम बालोद मे हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने दीप प्रज्ज्वल के साथ किया। खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने फुटबाल कोच श्री पुष्पराज को फुटबाल भेंट कर किया । कार्यक्रम में डॉ. संजय कन्नौजे ने उपस्थित जनो को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस प्रशिक्षण शिविर में आप सभी मन लगाकर खेल भावना से प्रशिक्षण लें। उन्होंने खेल से होने वाले शारीरिक एंव मानसिक लाभ के

बारे में बताते हुए खिलाड़ियों को समाज और देश में अपना नाम रोशन करने प्रोत्साहित किया। इस दौरान उड़ीसा में आयोजित तवाइकोंडो प्रतियोगिता में विजय हासिल कर आये जिले के खिलाडियो को प्रशस्ति पत्र व मेडल से सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में तवाइकोंडो खेल का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण लेने पहुचे बालक बालिकाओ को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण में भाग लेने फॉर्म भी भराया गया। कार्यक्रम में खेल एंव युवा कल्याण विभाग की नोडल अधिकारी और डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राची ठाकुर, डीडी पंचायत आकाश सोनी सहित खेल प्रशिक्षकों के अलावा बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि जिले के खिलाड़ियों को खेलविधा से परिचय कराने, खेल के तकनिकी ज्ञान से अवगत कराने एवं उनके खेल कौशल को निखारने हेतु 21 दिवसीय आयोजन 13 मई से 02 जून तक किया जा रहा है। जिसमे फुटबॉल, मार्शल आर्ट जु-जित्सु, ताईकाव्डो, एथलेटिक्स, कलियारी पट्टू, भारोत्तोलन, हॉकी, कबड्डी और क्रिकेट का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बालोद स्थित संस्कार शाला मैदान में फुटबॉल, जु-जित्सु, सरयू प्रसाद अग्रवाल इंडोर स्टेडियम में ताईकाण्डो, कलियारी पट्टू, सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में एथलेटिक्स, क्रिकेट, फिटनेश व्लर्ड जिम में भारोत्तोलन, शा.उ.मा.वि. कन्नेवाड़ा में हॉकी और शा.उ.मा.वि. बघमरा में कबड्डी का प्रशिक्षण प्रशिक्षकों द्वारा दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए सब जूनियर, जूनियर वर्ग की बालक-बालिकाओं को निर्धारित प्रारूप में आवेदन (पासपोर्ट फोटो सहित) निर्धारित प्रशिक्षण स्थल या खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय में जमा करना होगा।

सीएमएचओ ने पीएचसी सराईपाली का किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.के.चंद्रवंशी ने आज विकासखण्ड तमनार के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सराईपाली का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखने एवं अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ सम्मान पूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज को लौटाया न जाए और उनके इलाज पर विशेष ध्यान एवं सावधानी बरती जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया।

सीएमएचओ डॉ.चंद्रवंशी ने अधिकारियों-कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति की जानकारी लेते हुए उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया एवं ओपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष, भंडार कक्ष सहित पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को समय पर संस्था में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्रों में दवाईयों की उपलब्धता, उपकरणों तथा दस्तावेजों का सही रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने उपस्थित सभी स्टॉफ को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को समय पर कार्यसंपादन करने एवं मुख्यालय में रहने के निर्देश दिए।

सीएमएचओ डॉ.चंद्रवंशी ने ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर मौसमी बीमारियों से निपटने एवं आवश्यक सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।

बृजमोहन ने ओडिशा के कांटाबांजी में किया प्रचार, अग्रवाल सभा की बैठक ली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं छत्तीसगढ़ के शिक्षा संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल इन दिनों ओडिशा में भाजपा के पक्ष में धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। विभिन्न समाजों की बैठक लेकर ओडिशा के उज्जवल भविष्य के लिए भाजपा की मजबूत सरकार बनाने का आह्वान कर रहे है। इसी क्रम में सोमवार को ओडिशा के कांटाबांजी में उन्होंने अग्रवाल सभा ट्रस्ट की बैठक ली और समस्त व्यापारी समुदाय से प्रदेश के हित में लोकसभा क्षेत्र में सांसद पद पर भाजपा को संगीता सिंहदेव तथा विधायक पद पर लक्ष्मण बाग को जिताने का आग्रह किया।

सभा को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि सभी लोगों को ओडिशा और देश का भविष्य बनाने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद के कारण ओडिशा पिछड़ा और गरीब राज्य बना हुआ है। 25 सालों से यहां पर पटनायक परिवार सरकार चल रहा है, स्थाई सरकार होने के बावजूद ओडिशा में विकास का कोई काम नहीं हुआ। आज भी यहां के लोग बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार आदि के लिए छत्तीसगढ़ पर निर्भर हैं।

छत्तीसगढ़ का निर्माण आज से लगभग 23 साल पहले हुआ लेकिन वो विकास के मामले में आज काफी आगे है वर्तमान में डबल इंजन सरकार आने से वहां के लोगों में समृद्धि आ रही है व्यापार फल फूल रहा है लेकिन ओडिशा में व्यापार दम तोड़ रहा है। भाजपा सरकार सुख शांति और समृद्धि का प्रतीक है। इसलिए सभी लोग खुद भी भाजपा को वोट दें और दूसरों को भी भाजपा को वोट देने के लिए प्रेरित करें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन सुनील जे सिंघी ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में छोटे बड़े व्यापार को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं लेकिन ओडिशा सरकार की दमनकारी नीतियों के चलते यहां से व्यापारी पलायन कर रहे हैं जिससे ओडिशा का आर्थिक विकास ठप पड़ गया है। अग्रवाल सभा की बैठक में सुभाष अग्रवाल तुलसी अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अग्रवाल सभा अध्यक्ष कांटाबांजी कैलाश अग्रवाल, सचिव संतोष अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश आर्य, सचिव संजय अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजिम विजय गोयल समेत अग्रवाल सभा, ब्राह्मण सभा, जैन तेरापंथ सभा, किराना मर्चेंट एसोसिएशन, कपड़ा मर्चेंट एसोसिएशन, मारवाड़ी युवा मंच के सैकड़ो लोग इस बैठक में उपस्थित रहे।

10वीं, 12वीं में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। दसवीं और बारहवी बोर्ड के नतीजें आने के साथ खुशियों में समाएं शुभ अग्रवाल, गामिनी कुमारी और कृतिका कुमारी के लिए आज का दिन भी खुशियों से भरा रहा। जिले के गौरव इन तीनों होनहार विद्यार्थियों से मिलते ही कलेक्टर अजीत वसंत ने न सिर्फ उनकी पीठ थपथपाई, अपितु मिठाई खिलाकर टैबलेट देकर उन्हें लक्ष्य हासिल करने और सफलता की राह में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर के हाथों टैबलेट और उनसे मिले सम्मान पर खुद को बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहे विद्यार्थियों ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए यह टैबलेट उनके बहुत काम आएगा।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि किसी भी मुकाम को पाने के लिए परिश्रम करना पड़ता है। इस दौरान चुनौतियां भी सामने आती हैं। आप सभी को चुनौतियों से घबराना नहीं है। जो भी लक्ष्य है उसे प्राप्त करना है। उन्होंने हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में राज्य में पांचवा तथा कोरबा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा गामिनी कुमारी कंवर अंक प्रतिशत 98 एवं राज्य में दसवां स्थान तथा जिले में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली कृतिका कुमारी कंवर, हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य में पांचवा और जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र शुभ अग्रवाल को टैबलेट, पेन और किताबें प्रदान कर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। कलेक्टर श्री वसंत ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा के प्रति जागरूक होकर आगे भी इसी तरह सफलता अर्जित करें और जो लक्ष्य है उसे प्राप्त करें। उन्होंने सफलता और व्यक्तित्व विकास के लिये प्रतियोगिता को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी प्रतियोगिताओं के लिए अच्छे से तैयारी करने कहा। उन्होंने विद्यार्थियों के पालकों तथा शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भी सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक श्री मनोज पाण्डेय, सहायक संचालक के.आर. डहरिया आदि उपस्थित थे। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा 2024 परिणाम में राज्य में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने कलेक्टर श्री अजीत वसंत से मुलाकात के दौरान अपनी-अपनी अध्ययन तथा लक्ष्य और रूचियों को साझा किया। कलेक्टर ने उन्हें कैरियर संबंधी मार्गदर्शन भी दिए। इस दौरान दसवीं कक्षा में पांचवा और दसवां स्थान प्राप्त करने वाली जिले के होनहार छात्रा गामिनी कुमारी कंवर एवं कृतिका कुमारी कंवर ने कहा कि वह डॉक्टर बनना चाहती हैं। कक्षा बारहवीं में पांचवां स्थान प्राप्त करने वाले शुभ अग्रवाल ने बताया कि वह चार्टड एकाउंटेंट बनना चाहते हैं। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा सी.ए.बनने हेतु की जाने वाली तैयारी तथा संस्थानों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े और किसी भी चुनौती से न घबरायें। प्रयास और परिश्रम से सफलता अवश्य मिलती है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

महादेव सट्टा एप में इन्वेस्ट कर डेढ़ गुना प्राफिट का दिया झांसा, रुपए न मिलने पर व्यापारी ने की खुदकुशी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महादेव एप के नाम पर लूट मची है। हर तरफ धोखाधड़ी का कारोबार चल रहा है। इसी तरह का एक और मामला सामने आया है। महादेव सट्टा एप संचालित करने के नाम पर आरोपी ने एक व्यापारी से 10 लाख रुपये लिया था। इसके बदले में युवक को उसे डेढ़ गुना पैसे वापस लौटाने का झांसा दिया गया। मामले में मोड़ तब आया जब युवक ने पैसे वापस मांगे तब उसे धमकी दी जाने लगी। इस तंग आकर व्यापारी संदीप बग्गा ने आत्महत्या कर ली। घटना सिविल लाइन थाने क्षेत्र का है। मामले में मृतक का लिखा एक सुसाइड नोट मिला है।

FIR के मुताबिक रायपुर में मृतक संदीप बग्गा सेक्टर 2 शंकर नगर के रहने वाले थे। उन्होंने 9 मई को कीटनाशक पी लिया था। इसके बाद घर वालों ने उसे गंभीर हालत में रायपुरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां रविवार को उसकी मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सिविल लाइन पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि नीतेश मित्तल उर्फ गुप्ता को उसने 10 लाख रुपए उधार दिया था। नितेश महादेव सट्टा, लोटस बुक और रेड्डी ऐप का लंबा चौड़ा काम करता है। जब उसने अपने पैसे वापस मांगे तो वह टाल-मटोल करने लगा। इन पैसों को लेकर मृतक को अलग-अलग नंबरों से फोन आने लगे। उसे जान से मारने की धमकी मिलने लगी, जिससे कारोबारी संदीप बग्गा ने मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हो गया। उसने कीटनाशक जहर पी लिया। वहीं मामले को लेकर सिविल लाइन थाना प्रभारी रोहित मानेकर ने कहा कि जहर खाने की जानकारी मिलते ही आरोपी फरार हो गया है। फिलहाल सुसाइड नोट के आधार पर FIR दर्ज की गई है। अब पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है।

ड्रग्स के साथ एक युवती सहित पांच लोग गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। रायपुर की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने शहर में ड्रग्स की सप्लाई करने वाले पांच तस्करों को पकड़ा है। इसमें एक युवती के साथ चार अन्य युवकों को हिरासत में लिया गया है। दिल्ली से ड्रग्स लेकर रायपुर पहुंचे थे और यहां सप्लाई कर रहे थे। इसमें एक आरक्षक का नाम भी सामने आया है। हालांकि उसकी संलिप्तता की पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस आज राजफाश करेगी। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक और युवती ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने उनको दबोचा और पूछताछ में लिया। उसमें एक युवती भी शामिल थी। जिससे पूछताछ के आधार पर दिल्ली के चार युवकों को हिरासत में लिया गया है। इनके पास काफी मात्रा में ड्रग्स बरामद की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पकड़े गए युवक दिल्ली से यहां आकर किराए के मकान में रह रहे थे। वहां से ये ड्रग्स लेकर आते थे। इसके बाद शहर में युवकों को सप्लाई करते थे। शहर में होने वाली क्लब, पब की पार्टी में भी शामिल होकर वहां सप्लाई करते थे। इनके साथ कई और लड़कियां भी जुड़ी हुई हैं।

गैंगवार के बाद नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, नशीली इंजेक्शन के साथ तीन गिरफ्तार

पुलिस कर रही कार्रवाई, बाद बदमाशों पर इसका कोई असर नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में नशीली दवाओं का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। आए दिन इस मामले में पुलिस की कार्रवाई हो रही है इसके बाद बदमाशों पर इसका कोई असर नहीं है। नशीली दवाओं का सेवन कर नशे की हालत में क्राइम भी काफी बढ़ गया है। पिछले दिनों बिलासपुर जिले के सरकंडा थाना क्षेत्र में गैंगवार हुआ और उसके बाद पुलिस एक्टिव हुई। पुलिस ने नशीली इंजेक्शन सप्लाई करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो नाबालिग हैं जो लंबे समय से इस करोबार में लिप्त हैं।

बिलासपुर में बदमाश बेखौफ होकर नशे के सामान का अवैध कारोबार कर रहे हैं। सरकंडा इलाके में चाकूबाजी और मारपीट के बाद हरकत में आई पुलिस ने एक युवक और 2 नाबालिगों को पकड़ा। उनके पास से 375 प्रतिबंधित नशीली इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। तीनों बदमाश नशे का यह सामान सरकंडा, सिविल लाइन, तोरवा और कोनी सहित शहर की निचली बस्तियों में बड़े पैमाने बेच रहे हैं। नशे के आदी बदमाश बेखौफ होकर मारपीट, चाकूबाजी जैसी घटनाओं को भी अंजाम दे रहे हैं।

गैंगवार में शामिल रहे हैं बदमाश

सरकंडा पुलिस ने गैंगवार की घटना के बाद आरोपियों की पता तलाश शुरू की थी। इस दौरान पता चला कि सरकंडा इलाके में हुई चाकूबाजी और गैंगवार में अशोक नगर के रहने वाले बदमाश शामिल हैं। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नन्हे सोनी (21) नाम के युवक को पकड़ा। पुलिस को नन्हे सोनी के बाद भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन मिले। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने दो नाबालिग साथियों के साथ मिलकर नशीले इंजेक्शन बेचता है। पुलिस ने उसके पास से 375 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन बरामद किया है। तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

नशे में बदमाशों ने मचाया था उत्पात

बता दें सरकंडा थाना क्षेत्र के अशोक नगर में बदमाश युवकों ने दो दिन पहले महिला के घर घुसकर गंभीर वारदात को अंजाम दिया था। इस दौरान बीच-बचाव करने आई एक महिला पर चाकू से हमला कर दिया गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। इस घटना के बाद पुलिस हरकत में आई और नशे का कारोबार करने वाले बदमाशों के खिलाफ एक्शन लिया है। पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। खासकर आदतन व निगरानी बदमाशों पर पुलिस की कड़ी नजर है।

9 टिकट दलालों से 8.84 लाख के रेल टिकट जब्त

बिलासपुर। बिलासपुर में रेलवे सुरक्षा बल ने 9 टिकट दलालों से 8.84 लाख की अवैध रेल टिकट जब्त की है। इस मामले में 49 लोगों के खिलाफअपराध पंजीबद्ध किया गया है। टिकट दलालों पर आम यात्रियों को घर बैठे ऑनलाइन बुकिंग की दी जा रही सुविधा का दुरुपयोग करने का आरोप है। इस साल अब तक कुल 46 मामलों में 773 यात्रा टिकटों, जिनकी कीमत 8,84,809 रुपए है, जब्त की गई। सभी मामलों में 46 आरोपियों को गिरफ्तारी कर उनके विरुद्ध रेल अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। बता दें कि रेलवे सुरक्षा बल बिलासपुर मंडल द्वारा साल 2023 में अवैध रूप से रेल यात्रा टिकटों का व्यापार करने पर 111 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी।

गौरतलब है कि, यात्रियों को रेल टिकट के लिए लाइन में खड़े होने की मजबूरी समाप्त करने, जल्द टिकट उपलब्ध कराने और कैशलेस प्रणाली को बढ़ावा देने की दृष्टि से IRCTC ने घर बैठे पर्सनल आईडी से स्वयं की रिजर्व यात्रा टिकट बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई है। वहीं इस सुविधा को लाभ में बदलने के लिए कुछ लोगों द्वारा विशेषकर त्योहारी सीजन, समर वेकेशन के दौरान अपने पर्सनल आईडी से रेल यात्रा टिकट बनाकर अधिक मूल्य में बेचे जाने और अवैध टिकटिंग की शिकायतें शुरू हो गई हैं। ऐसी घटनाओं पर निगरानी रखने और अवैध व्यापार करने वाले टिकट दलालों पर नकेल कसने कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बारात में नाचने पर हुआ विवाद, एक ने दूसरे युवक के पेट में मारा चाकू अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में रविवार की रात को बारात में नाचने पर ऐसा विवाद हुआ कि एक युवक ने दूसरे युवक के पेट में चाकू से मार दिया। दो बार चाकू मारने से युवक लहूलुहान हालत में गिर गया। पेट दबाकर युवक को पहले शास्त्री अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल से उसे रायपुर रेफर किया। परिजनों ने रायपुर ले जाने के बजाय दुर्ग के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले में जामुल पुलिस ने शिकायत मिलने पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के संबंध में जामुल पुलिस ने बताया कि मौर्या किराना स्टोर्स के पास रहने वाला पप्पु साव रविवार रात को सतनाम भवन घासीदास नगर में एक शादी कार्यक्रम में सम्मिलित होने गया। पप्पु के साथ उसका भाई सोनू साव, हीरा साव भी थे। समारोह में घासीदास नगर में रहने वाले पोट्टा और सचिन भी आये हुए थे। रात लगभग 9.30 बजें मोहल्लें के डीजे बज रहा था जिसमें नाचने की बात को लेकर बाराती और घराती पक्ष के मध्य वाद विवाद हो रहा था।

इस दौरान पोट्टा और सचिन पप्पु साव के भाई सोनू साव को नाचने से मना करने लगा। वह नहीं माना तो इसी बात को लेकर पोट्टा और सचिन ने उसे मां-बहन की अश्लील गालियां देते हुए, जान से मारने की धमकी दी। इस बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पोट्टा ने अपनी जेब से चाकू निकाल कर सोनू साव के पेट में घुसा दिया। सोनू वहीं लहू लुहान होकर गिर गया। इससे सोनू साव के पेट से खून निकलने लगा। जिसे वह दबाकर रखा हुआ था। जिसे उपचार के लिए शासकीय अस्पताल दुर्ग लेकर पहुंचे। यहां रेफर करवा कर गंगोत्री अस्पताल दुर्ग में भर्ती किये हैं जहां सोनू साव का उपचार हो रहा है।

गर्लफ्रेंड के लिए भिड़े दो युवक

रायपुर (ए.)। रायपुर में एक गर्लफ्रेंड को लेकर दो युवकों के बीच खूनी झड़प हो गई। एक युवक ने तलवार से चार लोगों पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि यह विवाद शनिवार देर रात हुआ। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र के अवंति विहार का है। खम्हारडीह थाना प्रभारी श्रुति सिंह ने बताया कि पुलिस को देर रात सूचना मिली कि कुछ युवकों के बीच आपस में जमकर मारपीट हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि आदर्श जगवानी और फैजल खान का कालेज में पढ़ने के दौरान गर्लफ्रेंड को लेकर विवाद था। इसके बाद आदर्श जगवानी और उसके साथियों ने तलवार से फैजल खान और उसके साथियों पर हमला कर दिया। इस मामले में एक पक्ष के सौरभ दास और फैजल खान को शरीर में कई जगह चोटें आई हैं। इसके अलावा मोहम्मद अनीस की नाक में गंभीर चोट है, जिसकी वजह से मेकाहारा अस्पताल में उसे भर्ती करवाया गया है। एक आरोपित आदर्श जगवानी को गिरफ्तार किया गया है।

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, 41 लाख के इनामी 14 नक्सली गिरफ्तार

विस्फोटक और अन्य सामान बरामद

बीजापुर। बीजापुर में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान डीआरजी व गंगालुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षाबलों ने पीडिया व मूतवेंडी के जंगल से 14 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी पर 41 लाख रुपये का इनाम घोषित है। पकड़े गए नक्सलियों के कब्जे से विस्फोटक व अन्य सामान बरामद किया गया है।

पुलिस के मुताबिक जिले में चलाए जा रहे नक्सली विरोधी अभियान के तहत डीआरजी व गंगालुर थाना की संयुक्त पार्टी पीड़िया व मूतवेंडी की ओर निकली थी। अभियान से वापसी के दौरान पुलिस पार्टी द्वारा पीडिया मूतवेंडी के मध्य जंगल से विस्फोटक व भाकपा माओवादी संगठन के प्रसार प्रचार की सामग्री के साथ 14 नक्सलियों को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर अपना नाम रेनु कोवासी, मिलिट्री कंपनी नंबर 2 पीपीसीएम 8 लाख ईनाम, मंगली अवलम, गंगालुर एरिया कमेटी, एसीएम 8 लाख ईनाम, बिच्चैम उईका, गंगालुर एरिया कमेटी, एसीएम 5 लाख ईनाम, शर्मिला कुरसम, गंगालुर एरिया कमेटी सदस्या 5 लाख ईनाम, लक्ष्मी ताती गंगालुर एरिया कमेटी सदस्या 5 लाख ईनाम, बबीता हेमला मिलिट्री कंपनी नम्बर 2 पीएम ईनाम 2 लाख, सावित्री पुनेम, मिलिट्री कंपनी नंबर 2 पीएम 2 लाख ईनाम, मैनू ओयाम उर्फ लच्छू डिवीजन टेलर टीम पीएम 2 लाख ईनाम, पायकी माड़वी मिलिट्री कंपनी नम्बर 2 सदस्य 2 लाख ईनाम, टोकलु माड़वी गंगालुर एलओएस सदस्य 1 लाख ईनाम, सन्नू लेकाम डीएकेएमएस अध्यक्ष पीडिया 1 लाख ईनाम, बिच्चैम कुंजाम मिलिशिया प्लाटून सदस्य आरपीसी कोरचोली, लखु पुनेम जीआरडी कमांडर इतावर व पाण्डु मुचाकी भूमकाल मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर पीड़िया बताया।

बीजापुर में जवानों को नुकसान पहुंचाने नक्सलियों ने लगाई IED, चपेट में आए दो बच्चों की मौत

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार को नक्सलियों द्वारा लगाई गई आईईडी की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे खेत में खेल रहे थे और इस दौरान ब्लास्ट हो गया। मामला जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के ओड़सा पारा में खेत में खेल रहे दो बच्चे आईईडी की चपेट में आ गए। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक उन्हें प्रारंभिक सूचना मिली है कि भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी पार बसे बोड़गा गांव के ओड़सापारा में तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान नक्सलियों द्वारा जवानों को नुकसान पहुंचाने आईईडी लगाई गई। इसकी चपेट में आने से ग्राम बोड़गा निवासी लक्ष्मण ओयाम पिता मुन्ना ओयाम (13) एवं बोटी ओयाम पिता कमलू ओयाम (11) की मौके पर ही मौत हो गई।

पकड़े गए नक्सलियों से बारीकी से पूछताछ कर मार्ग में आईईडी प्लांट करने के लिए छुपाये गये 4 नग टिफिन बम, 2 नग कुकर बम, डेटोनेटर, कॉर्डेक्स वायर, जिलेटिन स्टीक एवं प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के प्रचार प्रसार की सामग्री गैती, फावड़ा, सब्बल, पटाखा बरामद किया गया। नक्सलियों के द्वारा पुलिस पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाने की नीयत से पीडिया मूतवेंडी मार्ग पर आईईडी प्लांट करने की योजना थी। पकड़े गए नक्सलियों के विरुद्ध गंगालुर थाना में वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

एसपी ने लोगों को बुलाकर किया वितरण

एसीसीयू ने खोज निकाले 170 गुम मोबाइल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट ने जिले में पिछले कुछ दिनों में गुम मोबाइलों को खोज निकाला है। एसीसीयू ने 170 मोबाइल खोज निकाले हैं जिन्हें सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर -6 में एसपी जितेन्द्र शुक्ला उनके असली मालिकों को लौटाया जा राह है।

पिछले कुछ माह में दुर्ग जिले के विभिन्न थानों में मोबाइल गुम होने की कई शिकायतें दर्ज हुई। इसे देखते हुए एसपी जितेन्द्र शुक्ला पे प्रभारी एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट दुर्ग निरीक्षक कपिल देव पाण्डेय एवं थाना प्रभारी खुर्सीपार के नेतृत्व में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट को गुम हुये मोबाईलों को खोजकर संबंधित मोबाईल स्वामियों को वितरण करने के लिए लगाया गया। इसी कर्म में वर्ष 2023-2024 के गुम हुए मोबाइलों से संबंधित आवेदन पत्रों के आधार पर अभियान चला कर मेहनत एवं लगन से एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट टीम द्वारा दुर्ग, भिलाई, राजनांदगाँव, बालोद, बेमेतरा एवं रायपुर क्षेत्रों में चल रहे कुल 170 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाईलों, जुमला कीमती तकरीबन 35 लाख रुपए को बरामद किया। जिसे संबंधित आवेदकों को विधिवत वितरण किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट टीम की उल्लेखनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस के सोशल एकाउन्ट (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्वीटर) पर बरामद मोबाईल के IMEI नंबरों की लिस्ट अपलोड की जायेगी, जिससे मिलान कर संबंधित मोबाईल स्वामी एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट, कार्यालय सेक्टर 3 भिलाई से अपना मोबाईल प्राप्त कर सकते है।

गौण खनिजों की अवैध परिवहन, प्रकरण दर्ज

जगदलपुर (ए.)। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिला खनिज जांच दल द्वारा बस्तर जिले के अंतर्गत रायकोट, सरगीपाल, परपा, कोड़ेनार, भानपुरी और बडांजी क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर गौण खनिजों के अवैध परिवहन कर रहे 16 वाहनों पर प्रकरण दर्ज किया गया। खनिज अधिकारी शिखर चेरपा ने बताया कि खनिज जांच दल निरीक्षण के दौरान खनिजों के अवैध परिवहन और उत्खनन कर रहे 16 वाहनों पर प्रकरण दर्ज कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है।

CSPTCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी कंपनी लिमिटेड, रैता (रायपुर)

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी)

क्रमांक 10-64/58 रैता, दिनांक 9-05-2024

// आवश्यक सूचना //

प्रति,
श्री रमेश कुमार कश्यप आत्मज श्री मदन लाल कश्यप
जुनियर सुपरवाईजर(नियमित)
कार्या० कार्यपालन अभियंता,
400 के०व्ही० उपकेन्द्र संभाग,
छ०रा०वि०पारे०कं०मर्या०, रैता (रायपुर)
निवास पता:- ग्राम-करसा पोस्ट-औरी भिलाई-3 जिला-दुर्ग।
विषय:- बगैर आवेदन/अनुमति के कार्य पर अनुपस्थित होने बाबत्।

आपके द्वारा विगत् दिनांक 30 जनवरी 2024 से आज दिनांक तक लगातार बिना आवेदन/अनुमति के अपने कार्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहकर कंपनी की सेवा शर्तो का उल्लंघन किया है। अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि इस सूचना प्रकाशन तिथि के सात दिवस के भीतर कार्य पर उपस्थित होकर, अनाधिकृत अनुपस्थिति बाबत् स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि आप कंपनी में कार्य करने के इच्छुक नही हैं, आपको कंपनी की सेवा से बर्खास्त करने की कार्यवाही की जावेगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

कार्यपालन अभियंता
400 के०व्ही० उपकेन्द्र संभाग,
छ०रा०वि०पारे०कं०मर्या०, रैता (रायपुर)

एस-40181/2

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

कांग्रेस का सतर्कता टीम द्वारा की जा रही हैं स्ट्रांग रूम की सतत निगरानी

दुर्ग । लोकसभा चुनाव मतदान संपन्न होने के बाद श्री शन्कराचार्य कॉलेज स्ट्राँग रूम पर मॉनिटरिंग हेतू शहर जिला काँग्रेस द्वारा स्ट्रॉंग रूम की निगरानी किया जा रहा है जिसमे दुर्ग शहर जिला काँग्रेस कमेटी के महामंत्री आनंद ताम्रकार, महासचिव मोहित वालदे, संतोष सोनी, प्रीतम देशमुख, दिनेश बेलचंदन, रुपेद्र देशमुख, धनेंद्र साहू स्ट्राँग रूम पर लगे सीसीटीव्ही फुटेज की लगातार निगरानी की जा रही हैं। विदित है लोकसभा के चुनाव 7 चरणों मे सम्पन्न होने है और तीसरे चरण के चुनाव सम्पन्न हो गया है और अन्तिम चरण 1 जून को सम्पन्न होगा इस बीच कोई भी गड़बड़ी से बचने के लिए कांग्रेस ने अपनी निगरानी टीम स्ट्रॉन्ग रूम के पास कर दी हैं।

स्व. झाड़ू राम देवांगन की पुण्य तिथि पर जिले के प्रतिभाएं होंगी सम्मानित

दुर्ग। दुर्ग जिला देवांगन समाज द्वारा पंडवानी के पितामह झाड़ू राम देवांगन की पुण्य तिथि पर शैक्षणिक वर्ष 2023- 24 की 10वीं एवम् बारहवीं कक्षा के प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का इस वर्ष भी सम्मान किया जावेगा। इस सम्बन्ध में दुर्ग जिला देवांगन समाज और दुर्ग नगर देवांगन समाज के संयुक्त तत्वावधान में निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षाओं में 85त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 10वीं एवम् 12वीं के बच्चों को उनके विशिष्ट उपलब्धि के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस सम्बन्ध में दुर्ग जिले के सभी हाई स्कूल एवम् हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्य के माध्यम से निर्धारित अहर्ता प्राप्त प्रतिभाओं की सूची आमंत्रित किया जाएगा तथा संबंधित विद्यार्थियों से एक फोटो तथा अंक सूची की फोटोकापी मंगाई जावेगी। ज्ञातव्य हो कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 14 जून शुक्रवार को पंडवानी के अमर गायक स्व. झाड़ूराम देवांगन की पुण्य तिथि है, इस दिन प्रात: 10 बजे से उनके ख्यातिनाम शिष्य चेतन देवांगन द्वारा पंडवानी की प्रस्तुति दी जाएगी इसके बाद श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवम् श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न होगी। तदुपरांत प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में न 85त्न एवम् उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पात्र होंगे। साथ थी कला, खेलकूद, आदि में भी विशिष्ट स्थान पाने वाले लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावक भी सम्मान आमंत्रित रहेंगे।

काबुली बाबा के सालाना उर्सपाक को भव्य रूप से मनाने का लिया गया निर्णय

दुर्ग। हर वर्ष की तरह की तरह इस वर्ष भी हजरत बाबा सैयद अब्दुल रहमान शाह काबुली रहमतुलाह पुराना बस स्टैंड दुर्ग का सालाना उर्स पाक कार्यक्रम भव्य रूप से मनाने का निर्णय प्रकाश देशलहरा अध्यक्ष सालाना उर्स पाक कमेटी की अध्यक्षता में लिया गया। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन करते हुए उन्होंने कहा कि काबुली बाबा का उर्स पाक न केवल छत्तीसगढ़ में ही नहीं अन्य प्रांतों में प्रतिष्ठा रखता है। अनेकता में एकता, आपसी भाईचारे, प्रेम सदभाव का असीम संगम का संदेश दुर्ग शहर की जनता देती है यही हमारी धरोहर है। बैठक को कमेटी के संरक्षक अनंत यादव, उपाध्यक्ष राजेंद्र पाल सिंह भाटिया ने भी संबोधित किया। रऊफकुरेशी जनरल सेक्रेटरी सालाना उर्स पाक कमेटी ने बताया कि 28 मई 2024को बाद नमाज मगरिब दरगाह शरीफमे परचम कुशई कर उर्स का आगाज किया जाएगा।

स्ट्रांग रूम का एआरओ करेंगे नियमित निरीक्षण, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय जुनवानी भिलाई में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। लोकसभा निवार्चन 2024 मतदान पश्चात ईव्हीएम/ वीवीपेट मशीनों को सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से स्ट्रांग रूम में रखा गया है।

कलेक्टर नें स्ट्रांग रूम के विधानसभावार कक्षों का अवलोकन कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने परिसर में लगे एलईडी टीवी स्क्रीन में प्रदर्शित दृष्यों का भी अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी चौधरी ने परिसर के बाहरी व्यवस्था के संबंध में नोडल अधिकारी ध्रुव को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विधानसभावार एआरओ नियमित निरीक्षण करेंगे और वस्तु स्थिति से जिला निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराएंगे।

कलेक्टर ने परिसर में स्ट्रांग रूम के निगरीनी के लिए तैनात राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से व्यवस्था आदि के संबंध में चर्चा भी की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बीके दुबे, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, भिलाई नगर निगम आयुक्त देवेश ध्रुव, दुर्ग नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, एसडीएम दुर्ग मुकेश रावटे, संयुक्त कलेक्टर एचएस मीरी, डिप्टी कलेक्टर लवकेश ध्रुव एवं उत्तम ध्रुव सहित लोक निर्माण, पीएचई विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मतगणना हेतु अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के लिए संशोधित आदेश जारी...

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतगणना कार्य के सुचारू संपादन हेतु अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी (मतगणना) तथा अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी पोस्टल बैलेट/इटीपीबी नियुक्त किये है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त संशोधित आदेशानुसार विधानसभा क्षेत्र 62 पाटन के लिए अभियंता पीडब्लूडी (इ एण्ड एम) रमन लाल गायकवाड़ के स्थान पर क्रीडा अधिकारी शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्व. महाविद्यालय दुर्ग लक्ष्मेन्द्र कुमार कुलदीप अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। विधानसभा 66 वैशालीनगर के लिए कार्यपालन अभियंता अधीक्षण अभियंता कार्यालय शिवनाथ मंडल दुर्ग ए.के. हजारी के स्थान पर कार्यपालन अभियंता अधीक्षण अभियंता कार्यालय शिवनाथ मंडल हेमलाल कुरेतिया अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। रिजर्व के लिए कार्यपालन अभियंता नगर निगम भिलाई अखिलेश चन्द्राकर तथा सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारी पुष्पा राजेन्द्रन अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार पोस्टल बैलेट/इटीपीबी मतगणना कार्य में रिजर्व हेतु उप अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दुर्ग प्रतीक मसीह तथा सहायक अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संभाग दुर्ग पुष्पराज राठौर अतिरिक्त सहायक रिटंर्निंग आफिसर बनाये गये है। उक्त अधिकारियों को 16 मई 2024 को बीआईटी दुर्ग में आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थिति सुनिश्चित करनें को कहा गया है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 15 मई से 4 जून तक, विभिन्न खेलों की मिलेगी ट्रेनिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन मे खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से 15 मई 2024 से 4 जून 2024 तक 21 दिवसीय खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। जिसमे ग्रामीण व शहर से सबजूनियर, जूनियर वर्ग के बालक एवं बालिकाएं भाग ले सकते है।

प्रशिक्षण के लिए विभाग के माध्यम से नि:शुल्क खेल सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी। शिविर प्रतिदिन प्रात: 5.30 बजे से 7.30 बजे तक विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों मे प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा। मौसम को देखते हुये बच्चों की सुविधा अनुसार प्रशिक्षण का समय निर्धारित किया गया है। जिले मे विभिन्न खेल एवं मैदानों मे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा।

सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग से मिली जानकारी अनुसार हॉस्पिटल सेक्टर भिलाई, हुडको मे बी.एन.सोनी तथा बजरंग पारा कोहका में परिवेश ठाकुर, पी.टी.आई. अुनराग तारम तथा पाहन्दा मे योगेश ठाकुर के द्वारा व्हालीबॉल का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

समृद्धि बाजार के पास दुर्ग में अंसारी अली तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कुरूद में श्री अल्ताफ़ पीटीआई के माध्यम से हॉकी का प्रशिक्षण दिया जायेगा। नेशनल स्कूल मैदान दुर्ग में दिलीप इंग्ले, लाडली/खिलाडी के प्रशिक्षक दीपक निर्मलकर तथा राजेन्द्र कुमार साहू , शासकी उच्चतर माध्यमिक शाला पुरई के मोती लाल साहू पीटीआई, उमेश निर्मलकर तथा सनत साहू व मिनी स्टेडियम पुरई मे भुनेश्वर साहू व गजेन्द्र साहू, झीट पाटन मे भूपेश तथा पाहंदा पाटन मे दिव्यानी यादव के माध्यम से खो-खो का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मर्रा पाटन में संतोष यादव पीटीआई तथा बैगापारा स्टेडियम दुर्ग व जोन क्रमांक 2 सेक्टर 11 खुर्सीपार भिलाई में रामदास यादव तथा छाया प्रकाश राव और कालेज मैदान सिरना भाटा धमधा मे शिव कुमार रजक, दुष्यंत महोविया के माध्यम से कबड्डी, एथलेटिक्स व व्हॉलीबाल का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इसी प्रकार रविशंकर स्टेडियम, साइंस कॉलेज व सेक्टर 9 में मुकेश श्रीवास्तव, विजय भारत विष्ट तथा रमेश के माध्यम से फुटबाल का प्रशिक्षण दिया जायेगा। माहात्मा गांधी शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला की श्रीमती आरती शुक्ला व ललित साहू के द्वारा वेटलिफ्टिंग तथा कुश्ती का प्रशिक्षण दिया जायेगा। एन सी आर टी स्कूल सेक्टर 6 भिलाई मे जावेद खा तथा कसरीडी प्राथमिक शाला दुर्ग मे नीलिमा सोनी के माध्यम से क्रमश: नेटबॉल तथा कुड़ों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इच्छुक खिलार्डी संबंधित प्रशिक्षण मैदान उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते है।

विश्व नर्स दिवस नर्सिंग स्टाफ का हुआ सम्मान, प्रशस्ति पत्र देकर किया प्रोत्साहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ शाखा भिलाई-3 ने सोमवार को विश्व नर्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मरीजों का सेवा भाव, लगन और कर्तव्य से देखभाल करने वाले नर्सिंग स्टॉफ को सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्टॉफके लोगों को प्रशस्ति पत्र दिया गया और इसी प्रकार अपने काम को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेडिकल आफिसर भुवनेश्वर कुमार कठौतिया उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि चिकित्सक का कार्य नर्सिंग संवर्ग के बिना अधूरा है। मरीजों के देखभाल स्वास्थ्य लाभ में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के महामंत्री सैय्यद असलम ने कहा कि फ्लोरा नाइट एंगल की स्मृति में हर वर्ष नर्स दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि नर्स की आवश्यकता अवधारणा को प्रथम रूप में उन्होंने, स्वयं मरीज की सेवा कर एक कोर्स पाठ्यक्रम तैयार कर नर्सिंग की स्कूल चालू कर विश्व पटल पर नर्सिंग कैडर तैयार किया। नर्सें की भूमिका, सेवा को पहले से ही लोग जानते रहें लेकिन कोविड काल में विश्व भर के लोगों ने नर्सों की सेवाएं और त्याग को भली-भांति स्वीकार किया है।

विजय बघेल प्रयागराज पहुंचे भाजपा के लिए करेंगे प्रचार

भिलाई। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में मतदान के बाद अब सांसद विजय बघेल उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंच गए हैं। वे 22 मई तक प्रयागराज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करेंगे। प्रयागराज पहुंचने पर बघेल का आशीष मिश्रा अधिकता उच्च न्यायालय प्रयागराज, अजीत कुशवाहा मोहन तिवारी, पवन कुमार राय, मुकुल मिश्रा, आनंद चौरसिया अभिषेक दुबे, मोहम्मद आतिफ़ आकाश यादव सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए स्टेशन पहुंचे।

ऑल इंडिया सॉफ्ट बॉल स्पर्धा में भाग लेने बेंगलुरू पहुंची दुर्ग विवि की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की सॉफ्टबॉल पुरूष टीम 13 से 18 मई 2024 को बैंगलोर विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंच गई है। खेल संचालक शारीरिक शिक्षा डॉ. दिनेश नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम का 07 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शासकीय पीजी महाविद्यालय, कवर्धा में आयोजित किया गया था।

टीम के खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा एवं कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने प्रतियोगिता मे अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है। टीम के मैनेजर टेकेश्वर प्रसाद और कोच भूपेन्द्र गरहे है। इनके मार्गदर्शन में टीम सहभागिता करेगी। बता दें कि सॉफ्टबॉल पुरूष टीम ने सत्र 2021-22 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया था और सॉफ्टबॉल पुरूष टीम वर्तमान सत्र में भेजे जाने वाले 62 वीं टीम है, जो कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की पिछले वर्षों में सर्वाधिक संख्या है।

यह हैं टीम में शामिल

टीम में शामिल खिलाड़ियों में प्रकाश यादव कवर्धा कॉलेज, कालेश्वर निर्मलकर कवर्धा कॉलेज, प्रवीण साहू कवर्धा कॉलेज गगन दीप साहू कवर्धा कॉलेज, रवीन्द्र साहू कवर्धा कॉलेज, छत्रपाल पटेल कवर्धा कॉलेज, प्रिंस सिंह मनसा महाविद्यालय भिलाई, गया प्रसाद मनसा महाविद्यालय भिलाई, संदीप गहिरे मनसा कॉलेज कोहका, पिंटू सिन्हा सेठ आरसीएस कॉलेज दुर्ग, मयंक राजपूत एमजे कॉलेज कोहका, चेतन यादव कॉलेज बेमेतरा, अरविंद पाटिल कॉलेज बेमेतरा, लक्की यादव कॉलेज बेमेतरा, मुकुल बंदे दिग्विजय कॉलेज राजनांदगांव व देवा यादव दिग्विजय कॉलेज राजनांदगांव आदि हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट सीनियर ओपन व वूमेन फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप पिथौरा में

प्रदेश के दिग्गज खिलाड़ियों का 64 खानों के बीच होगा कड़ा मुकाबला, 7 जून से बिछेगी पिथौरा में शतरंज की बिसात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ महासमुंद द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के विशेष सहयोग से पिथौरा के अग्रसेन भवन में 7 जून से 10 जून तक सीनियर महिला व पुरुष की राज्य चयन स्पर्धा कराई जाएगी।

राज्य शतरंज संघ के सचिव हेमन्त खुटे व आयोजन समिति के संयोजक ईश्वर सिंह राजपूत ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि यह राज्य की प्रतिष्ठित सीनियर स्पर्धा है जिसे ऑल इंडिया चेस फेडरेशन द्वारा फीडे रेटिंग की मान्यता दी गई है। इस स्पर्धा के आधार पर प्रदेश की टीम बनेगी जिसमें महिला व पुरुष वर्गो से अलग - अलग टॉप 4 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय चयन स्पर्धा के लिए किया जावेगा।

यह राज्य चयन स्पर्धा 9 चक्रों में अंतर्राष्ट्रीय नियमानुसार स्विस लीग पद्धति से खेली जाएगी। इस स्पर्धा में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ के नाम से ए आई सी एफ आई डी , ऑल इंडिया चेस फेडरेशन व छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ से 2024 का जीवित पंजीयन आवश्यक है। स्पर्धा हेतु विस्तृत जानकारी के लिए खिलाड़ी राज्य शतरंज संघ द्वारा जारी ब्रोशर अथवा वेबसाइट का अवलोकन कर सकते है।स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र प्रदाय किया जायेगा। स्पर्धा में कुल ? 85000 की नगद राशि पुरस्कार स्वरूप खिलाड़ियों को दिए जायेंगे।

मुख्य पुरस्कार के तहत पहला 12 हजार व ट्रॉफी, दूसरा 10 हजार व ट्रॉफी, तीसरा 8 हजार व ट्रॉफी,चौथा 6 हजार व ट्रॉफी, पांचवां से छठवां तक 4 हजार-4 हजार व मेडल तथा सातवां से दसवां तक 2000 -2000 व मेडल ।

वूमेन कैटेगरी में

पहला 7हजार व ट्रॉफी, दूसरा 5 हजार व ट्रॉफी, तीसरा 4 हजार व ट्रॉफी तथा पांचवां से आठवां तक 2-2 हजार व मेडल । इसके अलावा विशेष पुरस्कार के अंर्तगत बेस्ट महासमुंद को 2 हजार व मेडल, बेस्ट बस्तर संभाग 2हजार व मेडल, बेस्ट सरगुजा संभाग 2 हजार व मेडल, बेस्ट वेटरन 2 हजार व मेडल, स्पेशली एबल 2 हजार व मेडल, यंगेस्ट प्लेयर 2 हजार व मेडल विजेताओं को इनाम स्वरूप दिए जायेंगे। स्पर्धा में भाग लेने हेतु 1 हजार प्रवेश शुल्क रखा गया है। सरगुजा व बस्तर संभाग के खिलाड़ियों के लिए एंट्री फीस में 50 प्रतिशत की विशेष छूट दी गई है । स्पर्धा फीडे रूल्स के तहत स्विस पद्धति से खेली जावेगी जिसमें प्रत्येक खिलाड़ियों को टाइम कंट्रोल के तहत 60-60 मिनट व प्रत्येक चाल में 30 सेकंड की इंक्रीमेंट दिए जायेंगे।स्पर्धा के दरमियान निर्धारित समय पर खिलाड़ियों को प्रतियोगिता स्थल में रहना अनिवार्य है।

अगर कोई खिलाड़ी 15 मिनट विलम्ब से पहुंचता है तो उनके अपोनेंट को वॉक ओवर दे दिया जाएगा। स्पर्धा संबंधी अन्य किसी आवश्यक जानकारी हेतु हेमन्त खुटे ,टेक्निकल हेल्प व राज्य संघ से पंजीयन हेतु रॉकी देवांगन तथा ऑल इंडिया चेस फेडरेशन से नए पंजीयन या नवीनीकरण हेतु ओमप्रकाश से खिलाड़ी उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क कर खिलाड़ी अपनी समस्या का निराकरण कर सकते हैं।

सीबीएसई 12वीं में भिलाई की सिया राय को मिले 98 प्रतिशत अंक

पैरेंट्स हैं डॉक्टर और खुद भी बनना चाहती है डॉक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीबीएसई ने सोमवार को 10वीं व 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस साल 12वीं की परीक्षा में एक बार फिर से छात्राओं ने बाजी मारी। छत्तीसगढ़ में भी छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा। 12वीं कक्षा में भिलाई की बेटी सिया राय ने 98त्न अंक लाकर इस्पात नगरी के साथ ही पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। सिया राय रिसाली डीपीएस की छात्रा है। अपनी सफलता को लेकर सिया राय ने बताया कि उन्हें उनके माता पिता से प्रेरणा मिली है।

बता दें छात्रा सिया राय के माता पिता डॉक्टर है। डॉ राघवेन्द्र राय और डॉ मिनाक्षी राय भिलाई में ही स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं। डॉक्टर दंपति की बेटी सिया राय ने सीबीएसई 12वीं में 98 फीसदी अंक लाकर अपने पैरेंट्स को गौरवान्वित किया है। सिया राय ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता के साथ अपने शिक्षकों को दिया है। 12वीं में शानदार सफलता के बाद वह माता पिता की तरह की डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना चाहती है। यही वजह रही कि बायोलॉजी को कॅरियर के लिए चुना।

पढ़ाई के लिए यूट्यूब का इस्तेमाल

सिया राय का कहना है कि एनसीईआरटी की किताबें कक्षा 12वीं में बेहतर स्कोर करने के लिए काफी हैं। अभी तक किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर नहीं हूं। सिर्फ यूट्यूब का इस्तेमाल पढ़ने के लिए किया। सिया राय का कहना है कि चिकित्सा सुविधा हर एक का हक है। पैसा चिकित्सा में बाधा नहीं होना चाहिए। सिया राय का कहना है कि कामयाब सर्जन बनना ही उसका लक्ष्य है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950